लखनऊ

रविवार, 22 सितम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 72

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

एक छात्र की सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि वह हमेशा अपने अध्यापक से सवाल पूछे। - एपीजे अब्दुल कलाम

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

हिजबुल्लाह को खत्म करेंगे कमांडर इब्राहिम को ढेर करने के बाद इजराइल का ऐलान

यरुशलम। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को इजराइल पर 140 से ज्यादा रॉकेट हमले किए। ये हमला हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्लाह की ओर से इजराइल पर बड़े पैमाने पर बमबारी का बदला लेने की कसम खाने के एक दिन बाद हुआ। इसके जवाब में इजराइल ने लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें हिजबुल्लाह का टॉप कमांडर इब्राहीम अकील मारा गया। इजराइल ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके हवाई हमले में इब्राहीम अकील मारा गया है। लेबनान में किए गए हमलों की जानकारी देते हुए इजराइली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि इजराइल की योजना हिजबुल्लाह के हमले की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि इब्राहीम अकील के साथ हिजबुल्लाह के कई लड़ाके भी मारे गए हैं। इजराइल अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी सुरक्षा के लिए कोई भी जरूरी कदम उठाएगा। इब्राहीम अकील हिजबुल्लाह का टॉप कमांडर था। वह हिजबुल्लाह के राडवान यूनिट का कमांडर था। राडवान यूनिट हिजबुल्लाह की सबसे प्रमुख यूनिट मानी जाती है। इजराइल सेना के मुताबिक, इब्राहीम अकील इजराइल पर 7 अक्टूबर जैसे हमले की योजना बना रहा था। उसे 1983 में बेरुत में अमेरिकी दूतावास पर हमले का आरोपी भी माना जाता है, जिसमें 241 लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल, 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर एकसाथ कई रॉकेट दागे थे और हमला कर इजराइली क्षेत्र में घुसकर हमला कर दिया था।

यूएस सीक्रेट सर्विस ने माना ट्रंप पर हमले के वक्त हुई लापरवाही, सतर्क नहीं थे जवान

वॉशिंगटन। जुलाई में पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में ट्रंप की सुरक्षा में लगे यूएस सीक्रेट सर्विस के जवानों पर लापरवाही के आरोप लगे थे। अब यूएस सीक्रेट सर्विस ने भी माना है कि उनकी तरफ से संचार संबंधी कमियां थीं और जवानों की सतर्कता में भी कमी थी। शुक्रवार को यूएस सीक्रेट सर्विस के कार्यवाहक निदेशक रोनाल्ड रोवे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कुछ एजेंट्स की तरफ से लापरवाही बरती गई, जिसके कारण सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ। उन्होंने कहा कि एजेंसी के कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। गौरतलब है कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया की रैली में ट्रंप पर हुए हमले के कारण सीक्रेट सर्विस की खूब आलोचना हुई थी और इसके चलते सीक्रेट सर्विस की पूर्व निदेशक को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई थी कि संदिग्ध हमलावर रैली स्थल पर सामने की छत पर कैसे पहुंच गया, जबकि वहां से सीधे सामने ही ट्रंप भाषण दे रहे हैं। और इसके पूर्व निदेशक को इस्तीफा देना पड़ा। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई कि संदिग्ध व्यक्ति पास की छत तक कैसे पहुंच पाया, जहां से पूर्व राष्ट्रपति सीधे भाषण दे रहे थे। रैली में हुई गोलीबारी में डोनाल्ड ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी और पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए थे।

समाज को दुर्लभ बीमारियों के बारे में करें जागरूक, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को समाज में दुर्लभ बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सांस्कृतिक, धार्मिक या पारंपरिक बाधाओं की परवाह किए बिना ऐसे माता-पिता और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति और समर्थन दिखाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मार्च 2021 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से शुरू की गई दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुर्लभ बीमारियों की परिभाषा को परिभाषित करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है और भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में जीन थेरेपी जैसी उन्नत चिकित्सा पद्धति तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नारायण नेत्रालय फाउंडेशन की तरफ से जीन थेरेपी और प्रिसिजन मेडिसिन पर आयोजित सम्मेलन में बोलते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा- भारत जैसे देश में, जहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है, जिसमें 4,600 से अधिक अलग-अलग जनसंख्या समूह हैं, जिनमें से कई अंतर्जातीय विवाह करते हैं, हम दुर्लभ बीमारियों के बढ़ते बोझ का सामना करते हैं। दुर्भाग्य से, ये अभिनव उपचार भारत और अन्य निम्न और मध्यम आय वाले देशों में काफी हद तक संभव नहीं हैं। यह एक ऐसी स्थिति है जिसे बदलना होगा।

'सभी रोगियों के लिए ऐसे उपचार की पहुंच जरूरी'

अप्रैल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से लॉन्च किए गए कैंसर के लिए देश की पहली घरेलू जीन थेरेपी का उल्लेख करते हुए, CJI ने कहा, CAR T सेल थेरेपी अक्सर अपनी निषेधात्मक लागतों के कारण वैश्विक स्तर पर दुर्गम रही है। लेकिन आज पेश की गई थेरेपी न केवल क्रांतिकारी है, बल्कि मेक इन इंडिया पहल की भावना को मूर्त रूप देते हुए दुनिया का सबसे किफायती CAR T सेल उपचार भी है। उन्होंने कहा जबकि यह नवाचार चिंगारी है, हम सभी रोगियों, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के लोगों के लिए ऐसे उपचारों तक पहुंच सुनिश्चित करने की एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किस तरह हाशिए पर पड़े समुदायों के लोगों को स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने में लगातार बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली के CM पद की शपथ लेने के बाद बोलीं आतिशी

केजरीवाल को फिर सीएम बनाना हमारा लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आप नेता आतिशी ने शनिवार 21 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वो सूबे की तीसरी महिला सीएम बन गईं ।उनके साथ 5 मंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। आतिशी ने सीएम बनने के बाद पहली कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमकर तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के अगले चार महीने के प्लान के बारे में भी बताया।

आतिशी ने कहा कि वो दिल्ली के इतिहास में सबसे लोकप्रिय नेता और उनके बड़े भाई साथ ही राजनीतिक गुरु अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद का धन्यवाद करती हैं, जिन्होंने उनके ऊपर भरोसा जताया और उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। सीएम ने कहा कि केजरीवाल जी ने उन्हें दिल्ली के लोगों की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि मैंने आज सीएम पद की शपथ जरूर ली है, लेकिन ये हमारे लिए भावुक क्षण हैं।

दिल्ली की नई सीएम मे कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए पिछले 10 साल में दिल्ली की तस्वीर को बदल दिया है, दिल्ली के आम लोगों की जिंदगी को बदल दिया है। उन्होंने राजधानी में रहने वाले सभी गरीब इंसान का दर्द समझा। सरकारी स्कूलों में बच्चों का भविष्य बदला है। महिलाओं को शिक्षा और रोजगार में आगे बढ़ने का मौका दिया है। केजरीवाल की वजह से आज दिल्ली के लोगों को अपने परिवार के सदस्य का इलाज कराने के लिए जेवर गिरवी नहीं रखने पड़ते, यहां के सरकारी अस्पतालों में बेहतरीन इलाज होता है।

'केंद्र सरकार ने केजरीवाल के खिलाफ षड्यंत्र रचा'

बीजेपी पर बरसते हुए दिल्ली की सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने केजरीवाल के खिलाफ षड्यंत्र रचा, उन पर झूठे मुकदमे लगाकर 6 महीने से ज्यादा समय तक उन्हें जेल में रखा। उन्हें तोड़ने की हर मुमकिन कोशिश की गई, लेकिन बीजेपी के इरादे कामयाब नहीं हुए केजरीवाल नहीं टूटे, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी। वो भी ऐसे कानून (PMLA) में जिसमें जमानत लगभग असंभव होती है। आतिशी ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी दुर्भावना के चलते की गई थी।

सात हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश नियुक्त, दिल्ली उच्च न्यायालय के सीजे बने न्यायमूर्ति मनमोहन

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने शनिवार को देश के सात उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति कर दी। कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन को यहां का मुख्य न्यायाधीश बनाया है। वहीं दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव शकधर को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया है।

वहीं बॉम्बे हाईकोर्ट के जज जस्टिस नितिन मधुकर जामदार को केरल हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस केआर श्रीराम को मद्रास हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है।

यह चुनाव तीन परिवारों की राजनीति ध्वस्त करेगा... अमित शाह का अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान 25 सितंबर को होने वाला है, उससे पहले मेंढर में जनसभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर अब्दुल्ला परिवार के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला किया है। अमित शाह ने कहा कि इस बार का चुनाव तीन परिवार की राजनीति को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार की राजनीति को समाप्त करने वाला चुनाव साबित होने वाला है।

अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक केवल दशहतगर्दी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त करने का काम किया गया है। यहां के युवाओं के हाथों में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया गया है।

यहां 2014 तक आतंकवाद था- शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। अगर 2014 में मोदी सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते। उन्होंने कहा कि दहशतगर्दी से यहां के युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ। 40 हजार युवा मारे गये। उन्होंने कहा कि यहां आतंकवाद फैला तो अब्दुल्ला छुट्टी मना रहे थे। जम्मू कश्मीर में 2014 तक आतंकवाद था। आज आतंकवाद को खत्म किया जा रहा है।

गोलीबारी का जवाब गोले से मिल रहा है

अमित शाह ने कहा कि 90 के दशक में जम्मू-कश्मीर में भयानक गोलीबारी होती थी। आज गोलीबारी बंद है। उन्होंने कहा कि पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से डरता है। वो जानते हैं कि अगर गोलीबारी करने की तो इनकी गोलीबारी का जवाब गोले से दिया जाएगा।

गुर्जरों के आरक्षण का वादा निभाया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसी के साथ यहां आरक्षण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि आज मोदी जी ने ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया। उन्होंने गुर्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया। अमित शाह ने कहा- जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे। हमने आपना वो वादा निभाया।

आकाश का बड़ा दावा, बसपा-आईएनएलडी गठबंधन हरियाणा में बनाने जा रही सरकार

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। अगर कोई एक पार्टी है जिसने आरक्षण के मुद्दे पर लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है और हमारे लोगों के साथ विश्वासघात किया है, तो वह है बीजेपी। वह भी आरक्षण के खिलाफ है। गौरतलब है कि एक के बाद एक कई चुनावी असफलताओं के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अब अपनी खोई हुई सियासी जमीन को फिर से हासिल करने के लिए आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश के उपचुनावों पर ध्यान दे रही है।

29 वर्षीय आकाश आनंद को हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। सूची में उनका नाम मायावती और उनके पिता आनंद कुमार के ठीक बाद है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए इनेलो और बसपा के बीच जुलाई में गठबंधन हुआ था, इसके अनुसार प्रदेश की 90 विधानसभा सीट में से इनेलो 53 सीट पर और बसपा 37 सीट पर लड़ रही है। इनेलो-बसपा गठबंधन की तरफ से अभय चौटाला को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया गया है। हरियाणा विधानसभा का चुनाव पांच अक्टूबर को है। पार्टी के नजदीकी सूत्रों का कहना हैं कि पार्टी अध्यक्ष मायावती ने हरियाणा विधानसभा चुनावों की पूरी कमान आकाश आनंद को सौंप दी है। आकाश अब तक हरियाणा में एक दर्जन से अधिक जनसभाएं कर चुके हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : 42 दिन बाद आज काम पर लौटे जूनियर डॉक्टर्स, मांगे पूरी होने के बाद खत्म किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता डॉक्टर रेप मर्डर केस में इंसाफ की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने आज से काम करना शुरू कर दिया है. 42 दिन बाद आज वे अपने-अपने काम पर लौट गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कई दौर की बातचीत के बाद डॉक्टर्स ने शुक्रवार को हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया था और कहा था कि शनिवार से वे अपने काम पर लौट जाएंगे।

इसके बाद आज से डॉक्टरों ने सभी अस्पतालों के आवश्यक और इमरजेंसी सर्विस में काम करना शुरू कर दिया लेकिन वे ओपीडी में काम नहीं कर रहे हैं। इसको लेकर डॉक्टर्स का कहना है कि वे आंशिक रूप से काम पर लौटे हैं इसलिए वो OPD में काम नहीं करेंगे केवल आवश्यक

और इमरजेंसी सेवाओं के लिए ही काम करेंगे।

अभी खत्म नहीं हुई लड़ाई, 1 हफ्ते का करेंगे इंतजार

डॉक्टरों का कहना है कि ममता बनर्जी ने आश्वासन दिया है कि उनकी हर मांग पूरी होगी और जब तक केस के आरोपी को सजा नहीं मिल जाती तब हड़ताल पूरी तरह से खत्म नहीं होगा। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हैवानियत के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों ने काम करना बंद कर दिया था। पीड़िता को इंसाफ मिले, इसके लिए पिछले 41 दिनों से ये हड़ताल पर बैठे थे। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी इंसाफ की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। वह बंगाल सरकार द्वारा किए गए वादों को लागू करने के लिए एक हफ्ते का इंतजार करेंगे और अगर वह पूरे नहीं किए गए तो दोबारा हड़ताल पर लौटेंगे। डॉक्टरों की मांग है कि इस घटना में जांन गंवाने वाली पीड़िता को न्याय मिले।

अगले 7 दिन तक इंतजार करेंगे, नहीं तो...

जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि हमारी मांग पर कोलकाता पुलिस कमिश्नर, मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर को हटाया गया है। राज्य के हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने और अस्पतालों में थ्रेट कल्चर खत्म करने की हमारी मांग अभी भी जारी है। स्वास्थ्य सचिव को हटाए जाने की अपनी मांगों को पूरा करने के लिए अगले 7 दिन तक इंतजार करेंगे, नहीं तो फिर से काम बंद कर देंगे। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को महिला डॉक्टर का शव मिला था। तभी से जूनियर डॉक्टर्स विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सीबीआई इस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच एजेंसी ने इस पूरे मामले में अब तक आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

हम साथ लड़ेंगे, वो अपना घर देखें सैलजा को मिले ऑफर पर कांग्रेस ने कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस केवल बीजेपी से ही नहीं बल्कि अंदरूनी कलह से भी लड़ रही है। पार्टी की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा की कथित नाराजगी के सामने आने के बाद बीजेपी नेताओं ने उनको पार्टी में शामिल होने का ऑफर दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता, वो चाहें तो बीजेपी में आ सकती हैं, उनका स्वागत है। वहीं बेजीपी के ऑफर पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बीजेपी सबसे पहले अपना घर देखे, जहां से कई नेता निकल चुके हैं। यहां तक कि भूपिंदर सिंह हुड्डा भी बोले- सैलजा हमारी बहन है। उन्होंने इन खबरों को बीजेपी का साजिश बताया।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी कहा कि हम सारे कांग्रेसी नेता मिल जुल कर चुनाव लड़ रहे हैं।सैलजा की नाराजगी का मुद्दा तब उठा जब बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र लॉन्च किया तो उस वक्त सैलजा उपस्थित नहीं थीं। इसके बाद ही बीजेपी ने ना केवल कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया बल्कि सैलजा को पार्टी में आने का भी ऑफर दिया। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता। वहीं मनोहर लाल खट्टर ने इसे दलितों के अपमान से भी जोड़ दिया। उन्होंने निशाना साधा कि कांग्रेस में सीएम का चेहरा ही तय नहीं पाया तो जीत क्या दर्ज करेगी?

क्यों नाराज हैं कुमारी सैलजा?

कुमारी सैलजा कांग्रेस की महिला दलित चेहरा हैं। हरियाणा में उनके समर्थकों की संख्या अच्छी खासी मानी जाती है। ऐसा बताया जा रहा है कि टिकट बंटवारे को लेकर सैलजा नाराज हैं और उन्होंने प्रचार अभियान से भी दूरी बना ली है। उनकी नाराजगी का ही असर था कि वो घोषणापत्र जारी होने के दौरान मंच पर नहीं थीं।

सैलजा और कांग्रेस के ही दिग्गज नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच वर्चस्व का द्वंद्व काफी पहले से है। दोनों को एक-दूसरे का प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। दोनों गुटों के बीच मतभेद पहली बार सामने नहीं आया है। इससे पहले भी लोकसभा चुनाव के समय दोनों में द्वंद देखा जा चुका है। हालांकि नतीजे पर उसका कोई असर नहीं देखने को मिला। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में हरियाणा की 10 में से 5 सीटें हासिल कीं। यह परिणाम 2019 के चुनाव से बेहतर था। 2019 में कांग्रेस को सिर्फ सीट मिली थी।

अजय चौटाला का भी कांग्रेस पर निशाना

सैलजा मुद्दे पर कांग्रेस बीजेपी की इस लड़ाई में तीसरे दल भी तंज कस रहे हैं। जेजेपी नेता अजय चौटाला ने कहा कि कुमारी शैलजा का अपमान अपनी पार्टी के नेता ही कर रहे हैं। ऐसे में उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा ऐसा पहली बार नहीं हुआ। इससे पहले अशोक तंवर के साथ क्या किया, ये सभी जानते हैं।

पीडीए बड़ी लड़ाई लड़ने जा रहा है : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडीए बड़ी लड़ाई लड़ने जा रहा है। पीडीए सबको साथ लेकर चलने का काम करेगा। आने वाले चुनाव में भी पीडीए ही एनडीए को हराएगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विधानसभा उपचुनाव में सभी दस सीटें हारेगी। इसके बाद भाजपा विधानसभा का चुनाव भी हारेगी और इनकी कुर्सी भी छिनना तय है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हार से डरी हुई है। ये बीएलओ को हटा रहे है। जाति के आधार पर बीएलओ की तैनाती हो रही है। जाति के आधार पर एसडीएम तैनात हो रहे हैं। एक पत्रकार ने एक सूची जारी की है कि शासन में किस तरह से एक ही जाति के लोग कहां कहां बैठाये गए हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। थाने, तहसील से लेकर हर स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा के नेता खुद स्वीकार करते है कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं था। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ खुद इनके गठबंधन का विधायक धरने पर बैठा है। विधायक, मंत्री कह रहे है लूट हो रही है। कहा कि यह सरकार हर मोर्चे पर फेल है। किसानों को एमएसपी नहीं मिल रही है। किसानों के आलू और गेहूं की फसल की तैयारी करनी है लेकिन डीएपी खाद नहीं मिल रही है। सरकार फसलों के लिए डीएपी और अन्य उर्वरक नहीं उपलब्ध करा पा रही है।

विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा यूपी: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के बल पर निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बना उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्टेट है। भारत में बनने वाले मोबाइल फोन में 55 फीसद की हिस्सेदारी अकेले यूपी की है। देश में बनने वाला 60 प्रतिशत मोबाइल कम्पोनेंट भी उत्तर प्रदेश में ही बनता है। यह यूपी में निहित संभावनाओं की ही क्षमता है कि सैमसंग दुनिया का पहला मोबाइल डिस्प्ले यूनिट चीन से भारत और भारत में भी उत्तर प्रदेश में ले आया। आज प्रदेश देश में विकास और निवेश के अभियान का बड़ा हिस्सा बनकर उभर रहा है।

सीएम योगी शनिवार को दोपहर बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा

आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गोरखपुर विश्वविद्यालय और आईटीएम (इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट) के बीटेक के करीब 600 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से आठ छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 2017 और उसके पहले के उत्तर प्रदेश की परिस्थितियों से आहत दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैमसंग नोएडा की अपनी यूनिट बंद करना चाहती थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सैमसंग के अधिकारियों को बुलाकर बातचीत की। उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। ऐसा किया भी। इसका परिणाम हुआ कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून ने सैमसंग द्वारा बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री का उद्घाटन किया।

इंस्टिट्यूट से मिले ज्ञान को इंडस्ट्री से जोड़ना आवश्यक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इनोवेशन कैम्पस के लिए सैमसंग की सराहना करने के साथ अपेक्षा जताई कि जिन छात्रों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, उन्हें सैमसंग की नोएडा यूनिट का भ्रमण भी कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे सैमसंग इनोवेशन कैम्पस से प्रशिक्षण प्राप्त 3500 छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ इंडस्ट्री की चुनौतियों को भी समझने का अवसर मिलेगा। इंस्टिट्यूट से मिले ज्ञान को जब तक इंडस्ट्री से नहीं जोड़ेंगे तब तक प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन को सफलता मिलने में कठिनाई होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिन भी पाठ्यक्रमों को जोड़ा गया है वे सभी न्यू एज कोर्स हैं जो आज ग्लोबल मार्केट की आवश्यकता हैं।

डिमांड के अनुरूप सप्लाई के मार्केट की मैपिंग जरूरी

सीएम योगी ने कहा कि डिमांड के अनुरूप सप्लाई के लिए आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत है मार्केट की मैपिंग करने की। यदि हम समाज की आवश्यकता के अनुसार मार्केट की मैपिंग नहीं करेंगे तो बेरोजगारों की फौज तैयार कर लेंगे। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हमारे शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान ऐसे कोर्स तैयार करें जो युवाओं को अगले 20-25 वर्षों तक पैरों पर खड़ा कर सकें। इसके लिए संस्थानों को क्षेत्रीय, देश और दुनिया की आवश्यकता के अनुरूप मैपिंग कराकर कोर्स चलाने होंगे क्योंकि रटी-रटाई बातों को लेकर चलने का परिणाम यह होगा कि हम पिछड़ जाएंगे।

मुख्यमंत्री इंटर्नशिप योजना से साकार होगी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना

सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री इंटर्नशिप योजना के जरिये सरकार आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को शिक्षण संस्थानों के कैम्पस से ही साकार करने जा रही है। कैम्पस में ही ट्रेनिंग दिलाकर यूथ को जॉब दिलाने या स्टार्टअप शुरू करने की गारंटी दी जाएगी। इस योजना में फाइनल ईयर के छात्र के प्रोजेक्ट वर्क को किसी इंडस्ट्री में इंटर्नशिप से जोड़ा जाएगा। इसमें छात्र को आधा मानदेय सरकार और आधा मानदेय संबंधित इंडस्ट्री द्वारा दिया जाएगा।

सोशल इम्पैक्ट स्टडी करें विश्वविद्यालय व अन्य संस्थान, सरकार देगी फीस

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं अन्य शिक्षण संस्थानों का आह्वान किया कि वे सोशल इम्पैक्ट स्टडी (सामाजिक प्रभाव अध्ययन) करें क्योंकि कोई भी निवेशक किसी क्षेत्र में यूनिट लगाने या निवेश करने के लिए उस क्षेत्र के सामाजिक प्रभावों को परखता है। सरकार खुद इसके लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बाढ़ के कारण और समाधान को लेकर या फिर यहां के इतिहास पर सोशल इम्पैक्ट स्टडी की जा सकती है। इसके लिए सरकार पैसा देगी। इससे विश्वविद्यालय व संस्थानों को अतिरिक्त आय तो होगी ही, छात्रों को नया अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि लकीर का फकीर बनने की बजाय हमे नवाचार पर ध्यान देना होगा।

विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा यूपी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा यूपी आज विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा है। 2017 में जब उनकी सरकार आई तो निवेश के लिए प्रयास शुरू किए गए। उन्होंने कहा कि सुशासन की पहली शर्त होती है सुरक्षा। 2017 के पहले जब यूपी में व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं था तो उसकी पूंजी कैसे सुरक्षित रहती। इसे देखते हुए सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। उन्होंने कहा कि छह माह की कवायद के बाद इसमें लगी टीम ने बताया कि 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो पाएगा। कारण पूछने पर बताया गया कि यूपी इतना बदनाम था कि यहां कौन निवेश करने आना चाहेगा। पर, सरकार ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के साथ अलग अलग 27 सेक्टर के लिए पॉलिसी बनाई। किसी भी राज्य में इतने तरह की पॉलिसी नहीं है। निवेश मित्र पोर्टल के जरिए 450 तरह की एनओसी के लिए एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया। निवेश सारथी से एमओयू मॉनिटरिंग की व्यवस्था की और उत्पादन के बाद ऑनलाइन इंसेंटिव देने की व्यवस्था की।

योगी सरकार देव दीपावली पर 12 लाख दीप से रोशन करेगी काशी के घाट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली होगी। देव दीपावली पर काशी के घाट दीपों की रोशनी से नहाये दिखाई देते हैं। दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचन्द्राकार घाटों की छटा अलौकिक और अद्भुत दिखाई देती है। लोकल से ग्लोबल होती हुई देव दीपावली को देखने के लिए देशी और विदेशी मेहमान भी काशी आते हैं। इस वर्ष ये नज़ारा 15 नवंबर को दिखेगा, जब खुद देवता देव दीपावली मनाने के लिए काशी के घाटों पर उतरेंगे। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य व भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों और कुंडों को रोशन करेगी। इसमें लाखों दीप गाय के गोबर से बने होंगे। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए इसे पहले ही प्रांतीय मेला घोषित कर चुकी है। देव दीपावली पर दिव्य लेज़र शो और ग्रीन आतिशबाजी का भी आयोजन होगा।

गाय के गोबर से बने होंगे लगभग तीन लाख दीप

काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडो और तालाबों पर इस साल योगी सरकार की तरफ से और जन सहभागिता के जरिये 12 लाख से अधिक दीप टीम-टिमाते हुए दिखेंगे। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि 12 लाख दीयों में ढाई से तीन लाख दिये गाय के गोबर से बने होंगे। गंगा पार रेत पर भी दीपक जलते हुए दिखेंगे, जिससे घाट के पूर्वी क्षेत्र गंगा की रेत का इलाका भी पूरी तरह रोशनी से जगमग होगा। इसके अलावा घाटों की साफ़-सफाई होगी और गंगा किनारे सदियों से खड़े ऐतिहासिक घाटों को फसाड लाइट और इलेक्ट्रिक लाइट से रोशन किया जाएगा।

ग्रीन आतिशबाजी का भी दिखेगा नजारा

डिप्टी डायरेक्टर पर्यटन ने बताया कि लेज़र शो के माध्यम से घाट पर गंगा अवतरण व शिव महिमा की कहानी दिखाई जाएगी। गंगा पार रेत पर प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी का भी शो किया जाएगा, जो पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी देगा। देव दीपावली पर काशी की इस अनोखे छटा को देखने के लिए देश विदेश से पर्यटक आते हैं। देव दीपावली पर होटल, गेस्ट हाउस,नाव, बजड़ा, बोट व क्रूज आदि सभी फुल हो जाते हैं।

विधायक की उपस्थिति में भाजपा सदस्यता अभियान के तहत गोष्ठी का हुआ आयोजन

कछौना/हरदोई। विधानसभा बालामऊ के अंतर्गत कछौना मंडल में सदस्यता अभियान के तहत ग्राम सभा पुरवा में एक गोष्ठी की गई। जिसमें क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने पहुंचकर आम जनमानस को भाजपा पार्टी की नीतियों के बारे में अवगत कराया। भाजपा पार्टी का मूल मंत्र है कि राष्ट्र प्रथम के साथ जन-जन की सेवा करना है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ना है। व्यक्ति की मजबूती के साथ राष्ट्र भी मजबूत बनेगा। इसके लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को सीधा लाभ मिल सके। सभी योजनाओं का लाभ आम जनमानस को सीधा मिल रहा है। आम जनमानस ने बढ़ चढ़कर भाजपा के द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 8800002024 पर मिस्ड कॉल कर सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर अपने मध्य क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा को पाकर ग्रामीणों व ग्राम प्रधान छविनाथ मौर्य ने गांव के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न मांगे रखी।

एकतरफा प्यार में लड़की को कार से कुचल डाला, बेटी की हत्या पर सदमे में पिता, बोले– 'जिसे गोद में खिलाया, अब...'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बरहुआ गांव निवासी शिवशंकर का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही कह रहे हैं कि एक सिरफिरे युवक के चलते मैंने अपनी बेटी को खो दिया। घर से महज 50 मीटर की दूरी पर उसने कार से मेरी बेटी को कुचलकर मार डाला और मैं उसे बचा भी नहीं पाया। जिस बेटी को गोद में खिलाया था, उसकी अर्थी को अब कंधा देना पड़ेगा, यह मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

मृतक युवती का नाम अंकिता यादव है। पिता का आरोप है कि एक तरफा प्यार करने वाले प्रिंस यादव ने बेटी को कार से कुचल कर मार डाला। आरोपी प्रिंस मूल रूप से कुशीनगर के गणेशपुर का निवासी है। उसके पिता वीरेंद्र यादव खेती-बाड़ी करते हैं। प्रिंस का ननिहाल बरहुआ गांव में ही है।

गांव के लोगों ने बताया

गांव के लोगों का कहना है कि प्रिंस 2020 से अंकिता के पीछे पड़ा हुआ था। वह अंकिता से जबरन बात करने की कोशिश करता था। इस बात की जानकारी अंकिता ने अपनी मां को दी तो मां ने प्रिंस को डांट फटकार लगाई थी। लेकिन वह फिर भी नहीं माना। उसने मां को भी धमकी देते हुए कहा था कि वह शादी अंकिता से ही करेगा।

लड़की पर कार चढ़ा दी

घरवालों ने अंकिता की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी। इसकी जानकारी होते ही प्रिंस भड़क गया। वह अंकिता को फोन करने लगा और उसका जीवन बर्बाद करने की धमकी देने लगा। पिता के मुताबिक, अंकिता गोरखपुर के गंगोत्री देवी महाविद्यालय में पढ़ाई करती है। वह बुधवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। घर से 50 मीटर की दूरी पर खड़ी होकर वह ऑटो का इंतजार कर रही थी। इसी बीच, प्रिंस वहां कार से आया और उसने गाड़ी को अंकिता के ऊपर चढ़ा दी। इस घटना में अंकिता बुरी तरह जख्मी हो गई थी और उसकी मौत हो गई। वहीं, इस दौरान प्रिंस की कार भी अनियंत्रित होकर एक पोल से टकरा गई। वह भी घायल हो गया था। गांववालों का कहना है कि प्रिंस के ननिहाल के लोग दंबग प्रवृति के हैं।

अंकिता के मामा ओम प्रकाश यादव ने बताया कि मेरी भांजी की शादी 2025 के नवंबर माह में तय थी। वह नर्स बनना चाहती थी। एसपी डॉ गौरव अग्रवाल ने कहा कि घटना की जानकारी होते ही पुलिस ने आरोपी को अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बैंक ऑफ इंडिया हरदोई अंचल द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान का आयोजन

हरदोई। केंद्रीय सतर्कता आयोग के आदेशानुसार ,दिनांक 16 अगस्त 2024 से 15 सितंबर 2024 तक अभियान चलाया जा रहा है। देश की प्रतिष्ठित बैंकिंग संस्था बैंक ऑफ़ इंडिया देश भर में सतर्कता जागरूकता अभियान चला रही है।जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,बैंक आफ इंडिया हरदोई अंचल कार्यालय द्वारा आंचलिक प्रबंधक अजय कुमार और उप आंचलिक प्रबंधक सुधीर कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता अभियान के उपलक्ष्य पर दिनांक 20 सितंबर 2024 को सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विषय वस्तु 'सत्य निष्ठा संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय' पर कार्यक्रम हुआ। ग्राहक सम्मेलन के माध्यम से ग्राहकों को उनके अधिकार और बैंक द्वारा मिलने वाली सुविधाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से बैंक के अधिकारियों और ग्राहकों द्वारा ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व पर चर्चा की गई।

पैशन को प्रोफेशन में बदलकर कमाई का जरिया बनायें : डॉ. हीरा लाल

» इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में नव प्रवेशित छात्रों का इंडक्शन प्रोग्राम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ में चल रहे नव प्रवेशित छात्रों हेतु इंडक्शन प्रोग्राम के तहत ₹युवा पेशेवरों के लिए बहुआयामी व्यक्तित्व विकास₹ विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कंसल ने बताया कि नव प्रवेशित छात्रों के लिए आयोजित इस इंडक्शन प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं और इनके पेशेवर जीवन में महत्व के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश के आईएएस अधिकारी डॉ. हीरा लाल ने छात्रों से शुरुआत में ही किसी भी कार्यक्रम में जाने से पहले पूर्ण तैयारी के साथ जाने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. लाल ने छात्रों को थ्री इन वन वाला व्यक्तित्व बनाने को कहा जिसमें बताया कि पहला कम्युनिकेशन स्किल बहुत अच्छा होना चाहिए, दूसरा अच्छी पढ़ाई करके अच्छे नंबरों वाली डिग्री और तीसरा अपने पैशन को प्रोफेशन में बदल कर कमाई का माध्यम बनायें। इसके साथ सामाजिक पूँजी बढ़ाने पर जोर दिया, सामाजिक पूँजी बढ़ाने के लिए डॉ॰ लाल ने छात्रों को एक दूसरे की मदद की आदत पैदा करने की सलाह भी दी तथा विभिन्न उदाहरणों से छात्रों को प्रेरित भी किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों के जीवन में समग्र विकास के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए। इस कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया तथा छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान कई प्रश्न भी पूछे। इस कार्यक्रम में आई ई टी लखनऊ और राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती से लगभग 700 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के डीन एकेडेमिक्स प्रो संजय श्रीवास्तव के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन और आयोजन डॉ. एस.एन. मिश्रा, डॉ राम चंद्र सिंह चौहान, डॉ प्रगति शुक्ला, डॉ अनुराग वर्मा, संदीप कुमार और छात्रों की टीम द्वारा किया गया।

आरेडिका में चला स्वच्छता अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लालगंज, रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाने में प्रधानमंत्री के स्वच्छता ही सेवा अभियान फोर एवं ''एक पेड़ माँ के नाम'' के तहत आह्वान पर महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने टाइप-3 कॉलोनी में वृक्षारोपण किया तथा साफ-सफाई कार्यक्रम के अभियान में शामिल होकर सभी को प्रोत्साहित किया।

महाप्रबंधक ने अपने सम्बोधन में कहा कि वातावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए साफ-सफाई तथा वृक्षारोपण करना आज हम सब की सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है । स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है, ऐसा हमारे ग्रन्थों में कहा गया है। स्वच्छ वातावरण का मानव के कार्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसके फलस्वरूप मानव मन में स्वाभिमान एवं गरिमा का भाव जागृत होता है। श्री मिश्रा ने प्रधानमंत्री की अभिनव पहल ''एक पेड़ माँ के नाम'' को जन भागीदारी से जोड़ने के लिए सभी रेल कर्मी के साथ मिलकर रेलवे आवासों में पेड़ लगाने के लिए अभिप्रेरित किया।

प्रधान मुख्य इंजीनीयर एसपी यादव ने बताया कि आज स्वच्छता ही सेवा अभियान 4 के तहत टाइप-3 कॉलोनी में में साफ-सफाई एवं पीपल जामुन, अमलतास, सागौन अर्जुन, करेंज आदि के 1570 पौधों का रोपण किया गया। पार्कों के सौदर्यीकरण के तहत टाइप-3 कॉलोनी के एक पार्क में बच्चों के खेलने के लिए झूले एवं अन्य उपकरण लगाए गये। रेल कोच के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आर एन तिवारी ने बताया कि

इस अवसर पर आरेडिका के सीएओ संजय कुमार कटियार, पीसीएमई विवेक खरे, पीसीएमएम राजीव खण्डेलवाल, पीसीईई हरीश चन्द, पीसीएमओ आभा जैन, सहित उच्च अधिकारी, कर्मचारी प्रतिनिधि संगठनों और कर्मचारी ने स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण में सहभागिता की।

बीएचयू की रिसर्च में खुलासा : चंगेज खान के वंशज से अछूता है भारत, 12 हजार पुरुषों के डीएनए सैंपल पर हुई रिसर्च

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। दुनिया के हर 200वें इंसान में चंगेज खान का डीएनए है। आज भी धरती पर चंगेज खान के कुल डेढ़ करोड़ वंशज हैं। लेकिन, भारत इससे अछूता है। यहां एक भी इंसान में चंगेज खान का डीएनए नहीं है। पाकिस्तान के 40 प्रतिशत हजारा लोगों को छोड़कर दक्षिण एशिया के 2 अरब से ज्यादा लोगों में चंगेज खान का कोई अंश अभी तक नहीं मिला है। जबकि, भारत के सिंधु नदी घाटी से लेकर पाकिस्तान के मुल्तान के आसपास तक चंगेज खान ने बड़े हमले किए थे।

ये बातें काशी हिंदू विश्वविश्वद्यालय (बीएचयू) के जीन वैज्ञानिक प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने की। बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में कला संकाय के

नए छात्रों के दीक्षारंभ कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के 1.5 करोड़ लोगों में चंगेज खान का वाई क्रोमोजोम है। वाई क्रोमोजोम पिता से बेटे में ट्रांसफर होता है।

ऐसे फैला चंगेज खान का डीएनए

प्रो. चौबे ने कहा, ₹करीब 1000 साल पहले चंगेज खान ने पूर्वोत्तर एशियाई कबीलों समेत मिडिल ईस्ट और चीन के एक बड़े भू-भाग पर हमला कर कब्जा जमा लिया था। केवल कब्जा ही नहीं, चंगेज खान युद्ध जीतने के बाद एक-एक गांव में जाता था। वहां रहने वाले लोगों के सर कलम कर देता था। महिलाओं के साथ दुष्कर्म भी करता था। ये कुकृत्य इतने बड़े स्तर पर हुआ कि चंगेज खां का डीएनए पूरे मिडिल ईस्ट में फैल गया।'

12 हजार पुरुषों पर हुआ रिसर्च

प्रो. चौबे ने बताया कि 12 हजार पुरुषों के डीएनए सैंपल पर रिसर्च किया जा चुका है। इनके वाई क्रोमोजोम में पाए 32 म्यूटेशन की जांच की गई है। इस जांच में एक खास तरह का वाई क्रोमोजोम सबसे ज्यादा लोगों में पाया गया।

'मॉलिक्यूलर क्लॉक' से सुलझा 800 साल पुराना राज

रिसर्च में पता चला कि ये लोग मुख्य तौर पर सेंट्रल एशिया के रहने वाले थे। साथ ही दक्षिण एशिया के हजारा जनजाति के लोग थे। 'मॉलिक्यूलर क्लॉक' द्वारा काल का निर्धारण किया गया। तो पता चला समय 1200 ईसवी के आसपास का था। ये वही समय था, जब चंगेज खान ने इस इलाके में बर्बर आक्रमण किया था।

सभी सैंपलों में दिखा एक पैटर्न का वाई क्रोमोजोम

प्रो. चौबे ने बताया, 'इन सारे सैंपल के विश्लेषण में एक कॉमन बात देखी गई। इसमें एक ही तरह का वाई क्रोमोजोम दिख रहा था। जिसको वैज्ञानिक भाषा में स्टार क्लस्टर कहा गया। स्टार क्लस्टर तब बनता है, जब किसी एक व्यक्ति का डीएनए बहुत कम समय में काफी लोगों में फैल जाता है। चीन में चंगेज खां के सबसे ज्यादा वंशज हैं। वहां के कुछ ऐतिहासिक दस्तावेजों में चंगेज खान और उसके वंशजों की चर्चा है। यहां पर चंगेज का डीएनए सबसे तेज फैला है।'

29वें दीक्षान्त समारोह में अक्षिता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या में मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स की छात्रा अक्षिता शुक्ला को अपने विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में हुए '29वें दीक्षान्त समारोह में माननीय राज्यपाल के द्वारा कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, कैबिनेट मंत्री उच्च शिक्षा योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी के साथ-साथ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रतिभा गोयल, अन्य शिक्षकगण एवं गणमान्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

बता दें कि इस विषय में कुल 4 सेमेस्टर थे जिनको मिलाकर अक्षिता ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किया है।

अक्षिता ने इसका श्रेय अपने माता-पिता, विश्वविद्यालय के गुरुजन एवं परिवारजनों को दिया है। अक्षिता की शिक्षा स्टेला मॉरिस कान्वेन्ट स्कूल सुलतानपुर से हुई जिसकी पश्चात उन्होंने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से स्नातक और स्नातकोत्तर पूर्ण किया। ज्ञात हो कि हाल ही में जून 2024 में अक्षिता शुक्ला ने संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली भारत सरकार में अपने प्रस्तुति दी थी जिसमें उन्हें केन्द्रीय संस्कृति मंत्री द्वारा 2,40,000/- (दो लाख चालीस हजार रुपये) की धनराशि एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया था। पूर्व में देश-प्रदेश के विभिन्न सांस्कृतिक मंच एवं महोत्सव पर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर सम्मानित हुई हैं एवं विद्यालयों की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में रहीं हैं। समय समय पर जनपद के विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान किया जा चुका है।

अब 3डी मेटावर्स पर भी दिखेंगी लखनऊ-प्रयागराज की गलियां

सीएम योगी की मंशा अनुसार, दोनों शहरों में आने वाले पर्यटकों को मेटावर्स प्लैटफॉर्म पर भी मिल सकेगी प्रमुख पर्यटक केंद्रों की विधिवत जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को पर्यटन के लिहाज से देश के 'मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन' के तौर पर प्रोजेक्ट कर रही योगी सरकार अब आभासी दुनिया के जरिए भी पर्यटकों को प्रदेश के विभिन्न स्थलों का टूर कराने की दिशा में कार्य कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, 3डी मेटावर्स प्लैटफॉर्म पर लखनऊ व प्रयागराज के 1500 लैंडमार्क्स का 360 पैनोरमिक डाटा संकलित किया जाएगा। इसके बाद इन सभी जानकारियों को तथा जियो रेफरेंस मैप्स को मेटावर्स इंटीग्रेटेड सिस्टम से जोड़ा जाएगा और 3डी इनेबल्ड वेब व मोबाइल ऐप का निर्माण किया जाएगा। यह प्लैटफॉर्म पर्यटकों को वर्चुअल टूर उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा। इसी प्रकार, क्यूआर कोड बेस्ड ऑडियो टूर के पोर्टल का भी विकास किया जाएगा जिसके जरिए प्रदेश के 100 स्थलों के ऑडियो टूर का लाभ भी लोग ले सकेंगे। इन दोनों ही परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा पूरा किया जाएगा और इन दोनों ही प्रक्रियाओं को लेकर कार्य शुरू हो गया है।

प्रमुख ऐतिहासिक,पर्यटक स्थलों व बाजार का हो सकेगा वर्चुअल टूर

एक यादगार पर्यटन अनुभव में एक पर्यटक की यात्रा में कई मुख्य प्वॉइंट्स होते हैं। ऐसे में, परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के माध्यम से भू-संदर्भित मानचित्रों पर रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थलों/रुचि के बिंदुओं के 3डी मेटावर्स और 360-डिग्री पैनोरमिक दृश्यों को एकीकृत करके फीचर समृद्ध वेब और मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जाएगा। एजेंसी लगभग 1500 स्थलों के लिए डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण करेगी इन सभी स्थलों का 360 पैनोरमिक डेटा एकत्र कर उसका डेटाबेस बनाएगी। इसके बाद, दोनों शहरों में वेब व मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 3डी मेटावर्स टूरिंग एक्सपीरिएंस उपलब्ध कराया जाएगा।

इस प्रक्रिया को पूरा करने के लखनऊ और प्रयागराज में विस्तृत सर्वे प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। लखनऊ के प्रमुख ऐतिहासिक व पर्यटक स्थलों, बाजार, चिकनकारी के प्रमुख हब समेत प्रयागराज के विभिन्न पौराणिक व ऐतिहासिक स्थलों, बाजारों, महाकुंभ में स्नान के लिए विभिन्न घाटों, मंदिरों तथा आधात्यमिक केंद्रों को इस परियोजना से जोड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग क्यूआर कोड इनेबल्ड ऑडियो टूर पोर्टल का भी विकास करने जा रही है जिसमें प्रदेश के 100 प्रमुख स्थलों पर ऑडियो टूर की व्यवस्था उपलब्ध करायी जाएगी। इस क्रम में प्रयागराज के पब्लिक लाइब्रेरी, इलाहाबाद म्यूजियम, चंद्रशेखर आजाद पार्क, हनुमान मंदिर समेत 19 स्थलों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि व हनुमानगढ़ी समेत 8 स्थानों, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर समेत 8 स्थलों, श्रावस्ती के अंगुलीमाल स्तूप समेत छह स्थलों, कपिलवस्तु के स्तूप, कुशीनगर के महापरिनिर्वाण मंदिर समेत 4 स्थल, लखनऊ के बड़ा इमामबाड़ा समेत कुल 13 स्थलों पर भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, आगरा के ताज महल समेत छह स्थल, मथुरा के बरसाना स्थित श्री राधारानी समेत 10 स्थल, वृंदावन के प्रेम मंदिर समेत 8 स्थल, माता विंध्यवासिनी मंदिर समेत 3 स्थल, चित्रकूट के रामघाट समेत 3 स्थल, नैमिषारण्य के चक्रतीर्थ समेत दो स्थल, बलरामपुर के देवीपाटन मंदिर, झांसी का बरुआ सागर किला, हापुड़ का गढ़ मुक्तेश्वर व सहारनपुर के शाकंभरी देवी के मंदिर को भी इस सुविधा से लैस किया जाएगा। प्रक्रिया को पूरा करने के लिए इन सभी स्थलों पर विचरण करने के सजीव चित्रण को प्रस्तुत करने वाले कॉन्टेंट को डेवलप किया जाएगा।

सामाजिक एकजुटता के बिना मिलती रहेगी राष्ट्रीय एकता को चुनौती: मुख्यमंत्री

राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातीय विभेद, छुआछूत, अश्पृश्यता के चलते जबतक सामाजिक एकजुटता का अभाव रहेगा, तबतक राष्ट्रीय एकता को चुनौती मिलती रहेगी। यही कारण है कि भारत की मार्गदर्शक संत परंपरा ने समाज को जोड़ने का संदेश दिया है। हमें बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर और एकजुट होकर देश और समाज हित के लिए काम करना होगा। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन शनिवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों की पुण्यतिथि पर आयोजन से, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के स्मरण से नई प्रेरणा मिलती है।

सहज लोगों के लिए वात्सल्य और धर्म विरोधियों के लिए वज्र जैसे कठोर थे महंत अवेद्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज के साथ सेवा के अनेक प्रकल्पों से जुड़कर काम करने का सौभाग्य मुझे मिला। वे मूलतः धर्माचार्य थे। उनमें वात्सल्य भाव था। वह मार्गदर्शक और सच्चे समाज सुधारक थे। सहज और सरल लोगों के लिए वह वात्सल्य स्वरूप थे तो धर्म विरोधी आचरण करने वालों की प्रति वज्र जैसे कठोर।

जोड़ने की रही है गोरक्षपीठ की परंपरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज और जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं जिसे गोरक्षपीठ ने आगे न बढ़ाया हो। पीठ की परंपरा जोड़ने की रही है। पीठ ने इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में उन कारणों को समझने के लिए प्रेरित किया जिनकी वजह से देश को गुलाम होना पड़ा। यह पीठ इसलिए भी समाज की एकजुटता की बात करती है कि जब भी समाज में जाति की खाई को चौड़ा करने का प्रयास किया गया, तब-तब इसका दुष्परिणाम देश को लंबे समय तक गुलामी के रूप में भुगतना पड़ा। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी गुलामी की मानसिकता इतनी हावी रही कि तत्कालीन नेतृत्व देश की सही दिशा नहीं तय कर पाया। अनेक बलिदानियों के सर्वस्व बलिदान से हासिल स्वतंत्रता के बाद भी देश को सही दिशा न मिलने से संतों में आक्रोश था।

आज सही दिशा में बढ़ रहा है भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत सही दिशा में बढ़ रहा है। गत दस वर्षों में भारत की प्रगति, सर्वांगीण विकास की रूपरेखा उत्साहित करने वाली है। इस परिस्थिति में हम सबका दायित्व है कि हम बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से बचें। सतर्क इसलिए भी रहना होगा कि आपस में लड़ाने के लिए पैसा किसी और का होगा लेकिन माध्यम यहीं के लोग। इससे बचने के लिए संत परंपरा के संदेशों को जानने की आवश्यकता है।

सामाजिक एकजुटता की पोषक है संत परंपरा

सीएम योगी ने कहा कि संत परंपरा सामाजिक एकजुटता की पोषक है। गुरु गोरखनाथ से लेकर आदि शंकर, स्वामी रामानंद, स्वामी रामानुजाचार्य सबके संदेश का प्राथमिक भाव यही है, ₹जाति-पांति पूछै नहीं कोई, हरि को भजै सो हरि का होई₹।

जो कहा, उसे करके भी दिखाया ब्रह्मलीन महंतद्वय ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय ने जो कहा वह करके भी दिखाया। जो बोला वह किया और जो किया वही बोला। दोनों गुरुजनों ने सामाजिक एकता के लिए समरसता के अभियान को नई ऊंचाई दी। शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के अनेक प्रकल्पों को आगे बढ़ाया। गोसेवा और गोरक्षा के संकल्प को पूर्णता की राह दिखाई। महंतद्वय के लिए कोई कार्य सिर्फ उपदेश नहीं था बल्कि वह उसे करके दिखाते थे। वास्तव में किसी बात का वजन तभी होगा जब हम उसे खुद आचरण में उतारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरे भाषण से नहीं आचरण परिवर्तन से बदलाव आता है।

आजीवन देश और धर्म के लिए समर्पित रहे दोनों गुरुजन

महंत द्वय बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे आजीवन देश और धर्म के लिए समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। इसके इतर उनके लिए कुछ भी नहीं था। उनके मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप चलते हुए गोरक्षपीठ धर्म और देश की रक्षा को प्रतिबद्ध है।

योगी जी में विराजमान है दिग्विजयनाथ जी और अवेद्यनाथ जी की तप साधना : बालकनाथ

श्रद्धांजलि समारोह में रोहतक हरियाणा से पधारे और राजस्थान के विधायक महंत बालकनाथ ने महंत द्वय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दोनों ही महापुरुष आज भी अपने विचारों, आदर्शों और अपने कार्यों के रूप में हमारे बीच विद्यमान हैं। उन्होंने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जिससे हमारी पीढ़ियों के भविष्य उज्ज्वल है। हरेक क्षेत्र में उनके योगदान अजर-अमर हैं। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की तप साधना विराजमान है। उनके नेतृत्व कौशल की सराहना देश ही नहीं पूरी दुनिया में हो रही है। महंत बालकनाथ ने उन लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता जताई जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए समाज को बांटने में जुटे हैं।

पीढ़ियों के भविष्य निर्माण से जुड़ी है गोरक्षपीठ: स्वामी वासुदेवाचार्य

कौशलेश सदन, अयोध्या धाम से आए जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य जी महाराज विद्याभाष्कर ने ब्रह्मलीन महंतद्वय के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि गोरक्षपीठ शिक्षा को संस्कृति और राष्ट्रीयता के आलोक में लाकर पीढ़ियों के भविष्य निर्माण से अहर्निश जुड़ी है। इसमें इस पीठ के पूज्य संतों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि मैकाले को लार्ड कहना गलत है, वह लार्ड नहीं बल्कि धूर्त था। गोरक्षपीठ ने मैकाले की शिक्षा प्रणाली की बजाय भारतीयता को प्रमुखता देने वाली शिक्षा का वरण पीढ़ियों को कराया। यही नहीं इस पीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने समाज को छुआछूत से निकालकर एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा कि अब संत समाज की चाहत है कि योगी आदित्यनाथ सिर्फ प्रदेश के नेतृत्व तक सीमित न रहें बल्कि आने वाले समय में पूरे देश का नेतृत्व करें।

राजनीति को अपने रंग में रंग देता है संत : डॉ. रामकमल वेदांती

काशी से पधारे कथाव्यास श्रीमदजगदगुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. रामकमल दास वेदांती ने कहा कि संत के लिए राजनीति भी लोक कल्याण का मार्ग है। संत राजनीति के रंग में खुद नहीं रंगता बल्कि राजनीति को ही अपने रंग में रंग देता है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण गोरक्षपीठ है जहां के पीठाधीश्वरों ने राजनीति को नई दिशा देकर उसे लोक कल्याण का माध्यम बनाया।

यूपी के रामराज्य में दिखती है गोरक्षपीठ की संत परंपरा : रामदिनेशाचार्य

अयोध्याधाम से पधारे स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि शैक्षिक पुनर्जागरण और अश्पृश्यता दूर करने के लिए ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी द्वारा दिए गए योगदान को युगों-युगों तक याद किया जाएगा। इन दोनों संतों की परंपरा में दीक्षित योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से आज प्रदेश में रामराज्य की परिकल्पना साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तो यही कामना है कि रामराज्य की जिस झांकी को उत्तर प्रदेश के लोगों ने देखा है वह पूरे भारतवर्ष के लोगों के लिए भी साकार हो। अयोध्याधाम से आए जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज ने कहा कि वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और महंत अवेद्यनाथ जी के वैचारिक ऊर्जा से ओतप्रोत हैं और इसी ऊर्जा का प्रभाव आज चहुंओर देखा जा रहा है। दुग्धेश्वरनाथ मंदिर गाजियाबाद से पधारे स्वामी नारायण गिरी ने कहा कि गोरक्षपीठ के मूर्धन्य संतों की समृद्ध परंपरा नहीं होती तो पूर्वांचल की स्थिति भी केरल या कश्मीर जैसी हो जाती।

सबके आदरणीय और प्रिय थे महंत अवेद्यनाथ : कमलेश पासवान

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने ब्रह्मलीन महंतद्वय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मेरे पिता ने राजनीति का ककहरा ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज से सीखा था। महाराज जी (अवेद्यनाथ) ने छुआछूत मिटाने के लिए जो अभियान चलाया वह एक मिसाल है। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे सबके प्रिय और आदरणीय थे। आज उनके दिखाए मार्गों पर चलकर उनके शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

ब्रह्मलीन महंतद्वय का शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान : महापौर

सबसे पहले पूरे महानगर की तरफ से महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को शाब्दिक भावों से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि इन दोनों संतों ने राष्ट्रीयता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया।

मदन मोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि महापुरुषों का अवतरण धर्म की स्थापना और मानवता के उद्धार के लिए होता है। महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज भी इसी परंपरा के महापुरुष हैं। महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने महंत दिग्विजयनाथ जी और महंत अवेद्यनाथ को नमन करते हुए कहा कि गुरु अपने शिष्यों में जीवित रहते हैं। इस यथार्थ को गोरक्षपीठ की गुरु-शिष्य परंपरा में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अजय जी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी और महंत अवेद्यनाथ जी ने समाज को संगठित कर सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्र में मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ की अगुवाई वाले आंदोलन से ही अयोध्या में पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के बाद राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हुआ है। श्रद्धांजलि सभा को कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने भी संबोधित किया।

सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों की ओर से भी दी गई श्रद्धांजलि

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों की ओर से भी ब्रह्मलीन महंतद्वय को श्रद्धांजलि दी गई। व्यापार मंडल की तरफ से पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल, महिला शक्ति की तरफ से पूर्व महापौर अंजू चौधरी, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से डॉ. आरपी त्रिपाठी, चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के संरक्षक एसके अग्रवाल, दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष योगेंद्र दूबे, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जटाशंकर से सरदार जगनैन सिंह नीटू ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के व्यक्तित्व, कृतित्व और आदर्शों का स्मरण किया।

एमपीपीजी कॉलेज की पत्रिका 'विमर्श' का हुआ विमोचन

इस अवसर पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल भूषण के संस्थापक राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यस्मृति को समर्पित महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन मुख्यमंत्री एवं मंचासीन अतिथिगण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना, गुरु महिमा गीत तथा श्रद्धांजलि गीत महाराण प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं ने, वैदिक मंगलाचरण डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ गौरव तिवारी एवं आदित्य पांडेय, महंत अवेद्यनाथ स्त्रोतपाठ डॉ. प्रांगेश मिश्र ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा अयोध्याधाम के महंत सुरेशदास, हरिद्वार से आए योगी महासभा के महामंत्री योगी चेताईनाथ, श्रीगोरखनाथ आश्रम, भावनाथ तलहटी, जूनागढ़ गुजरात के महंत शेरनाथ, अयोध्या धाम से आए महंत धर्मदास, बृजमोहन दास, बलराम दास, महंत राजू दास, कैथल, हरियाणा से आए पीर योगी शेरनाथ, नीमच, मध्य प्रदेश से पधारे महंत लालनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ, तुलसीपुर के महंत मिथलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सिंधी समाज के राजेश नेभानी, लक्ष्मण नारंग, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य समेत कई गणमान्यजन और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ में विद्यमान है महंत अवेद्यनाथ जी की वैचारिक दिव्यता : स्वतंत्रदेव

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि कहा कि महंत अवेद्यनाथ महाराज की दिव्यता और उनके विचारों को वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी कार्यशैली में मूर्तमान देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुरक्षा का वह माहौल बनाया है कि आज बहन-बेटियां बेखौफ होकर स्कूल कॉलेज जा रही हैं। सीएम योगी के लिए लोक कल्याण ही सर्वोपरि है और यह भावना उन्हें अपने पूज्य गुरुदेव से विरासत में मिली है।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण गोरक्षपीठ की देन: रविकिशन

श्रद्धांजलि सभा में गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ जी दूरद्रष्टा संत थे। उन्होंने शिक्षा के साथ ही चिकित्सा स्वास्थ्य की मजबूती को लेकर जो प्रयास किए वह अनिर्वचनीय हैं। दोनों ही महंत जी संत के साथ योद्धा भी थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में पांच सौ साल बाद राम मंदिर बन पाया है तो यह गोरक्षपीठ और इसके पीठाधीश्वरों की देन है।

दक्षिण से आए गोवंश को सीएम योगी ने दिया भवानी और भोलू नाम

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के गोवंश (एक बछिया और एक बछड़ा) का शनिवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नामकरण किया। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। मंदिर की गोशाला में दक्षिण से आए गोवंश की इस जोड़ी का नाम रखने के बाद सीएम ने उनसे खूब बातें की, खूब दुलारा। गोसेवक मुख्यमंत्री के स्नेह से मात्र दो दिन में सुदूर से आए ये गोवंश उनसे पूरी तरह अपनत्व भाव से जुड़ गए हैं। नादिपथि मिनिएचर नस्ल की गाय को दुनिया की सबसे छोटी गाय माना जाता है। इसे पुंगनूर नस्ल की ही ब्रीडिंग से विकसित किया गया है। नादिपथि मिनिएचर को माइक्रो मिनिएचर भी कहा जाता है। इस नस्ल के गोवंश की एक बछिया और बछड़ा को गुरुवार देर रात आंध्र प्रदेश के नादिपथि गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाया गया। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह इन गोवंश को स्नेहासींचित किया था और अपने हाथ से गुड़ और चारा खिलाया था। नादिपथि गोशाला से आए संचालक और नादिपथि मिनिएचर ब्रीड विकसित करने में अनुसंधान करने वाले डॉ. पी. कृष्णम राजू ने मुख्यमंत्री को नादिपथि मिनिएचर नस्ल की गायों की विशेषता के बारे में बताया। सीएम योगी से मुलाकात के बाद डॉ. कृष्णम राजू ने कहा कि योगी जी की गोसेवा और गोप्रेम देखकर वह अभिभूत हो गए हैं।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्यटन पुलिस को किया जा रहा तैयार : जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में देश-दुनिया को आकर्षित करने वाला उतर प्रदेश पर्यटन पुलिस को अपग्रेड कर रहा है। इन्हें नित नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा हैं। मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट में अलग-अलग बैच में ट्रेनिंग दी जा रही है। आगंतुकों के साथ व्यवहार, स्वास्थ्य देखभाल सहित अन्य जानकारियां दी जा रही है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। जयवीर सिंह ने कहा, पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और प्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार में सहयोग के लिए पर्यटन पुलिस का गठन किया गया है। इनकी तैनाती प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर की गई है। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में तेजी से सकारात्मक बदलाव हुए हैं। पर्यटन क्षेत्र भी इससे अछुता नहीं है। बीते वर्ष 2023 में 48 करोड से अधिक देशी-विदेशी पर्यटक उत्तर प्रदेश आए थे। इस वर्ष गति और तेज है। साल 2024 में जनवरी से जून तक यानि पहली छमाही में प्रदेश में लगभग 32 करोड़ पर्यटक आए।

'त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधान'

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात करना और उनकी समस्याएं जानकर निस्तारण कराना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या में शामिल रहता है। इसी क्रम में उन्होंने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

एएनटीएफ ने 3 साल में जब्त किए 175 करोड़ के अवैध मादक पदार्थ

2024 में अब तक 98 करोड़ रुपए से ज्यादा के अवैध मादक पदार्थ बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ योगी सरकार सख्ती से एक्शन ले रही है। इसका नतीजा ये है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री रोकने के लिए गठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने विगत 3 वर्षों में अब तक 175 करोड़ रुपए से ज्यादा का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया है। वहीं, प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ हुए ओवरऑल एक्शन की बात करें तो 4 वर्षों में अब तक 45 हजार किलो से अधिक का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया है।

एएनटीएफ द्वारा विगत 3 वर्ष में की गई कार्रवाई की बात करें तो कुल 187 अभियोग दर्ज किए गए, जिसमें 469 की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। वहीं, 20,384.91 किलो अवैध मादक पदार्थ बरामद किया गया। इसकी कुल कीमत 175 करोड़ 49 लाख 27 हजार 500 रुपए है।

2022 से लेकर 2024 में अब तक इन तीन वर्षों में एएनटीएफ ने 6.37 किलो मार्फिन, 33.44 किलो हेरोइन (स्मैक), 129.63 किलो चरस, 106.62 किलो अफीम, 9,380.14 किलो डोडा (पोस्ता तृण), 10,725.26 किलो गांजा और 3.44 किलो मेफेड्रान जब्त किया है। यदि, इस वर्ष यानी 2024 में अब तक की गई कार्रवाई की बात करें तो कुल 91 अभियोग पंजीकृत किए गए, जबकि 190 गिरफ्तारियां हुईं। वहीं 1.78 किलो मार्फिन, 13.93 किलो हेरोइन (स्मैक), 23.85 किलो चरस, 61.88 किलो अफीम, 3414.98 किलो डोडा (पोस्ता तृण), 6467.01 किलो गांजा और 3.44 किलो मेफेड्रान जब्त किया गया है। कुल मिलाकर एएनटीएफ ने 9988.86 किलो मादक पदार्थ जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 98 करोड़, 49 लाख और 52 हजार रही।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

समाजवादी पार्टी का वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा जैसा है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वन नेशन वन इलेक्शन में खामियां निकालने के लिये कोई गंभीर मुद्दा नहीं मिल रहा है। वन नेशन, वन इलेक्शन के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी हवा हवाई से अधिक कुछ नहीं हैं। वह किसी भी तरह से जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। इसी लिये वह बेतुके संदेह व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अखिलेश इस बिल का इस लिये विरोध कर रहे हैं क्योंकि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार की मंशा है। अखिलेश की मंशा सियासी है इसलिये उनकी पार्टी में भी इसको लेकर फूट नजर आ रही है। अखिलेश से इत्तर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने वन नेशन वन इलेक्शन का खुलकर समर्थन किया है। यह और बात है कि पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा के बयान को उनकी निजी राय बता कर पल्ला झाड़ लिया है।

बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। यदि अखिलेश रिपोर्ट पढ़ लेते तो उन्हें मालूम रहता कि पहले चरण में लोकसभा व देश के सभी विधान सभाओं और दूसरे चरण में 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की सिफारिश की गई है। अखिलेश पूछ रहे हैं कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतज़ार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?इसको लेकर भी रिपोर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि अगर किसी विधान सभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा,लेकिन कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधान सभा बीच में भंग हो हाती है,तो नया चुनाव विधानसभा के बाकी के कार्यकाल के लिये ही कराया जायेगा। अखिलेश पूछ रहे हैं वन नेशन वन इलेक्शन योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं। यह भी हास्यास्पद है।

ऐसा नहीं है कि कभी लोकसभा और विधान सभा के चुनाव साथ हुए ही नहीं हैं। 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ होते थे। उसके बाद में 1999 में लॉ कमिशन ने अपनी रिपोर्ट में ये सिफ़ारिश की थी देश में चुनाव एक साथ होने चाहिए, जिससे देश में विकास कार्य चलते रहें। वन नेशन, वन इलेक्शन कोई आज की बात नहीं है. इसकी कोशिश 1983 से ही शुरू हो गई थी और तब इंदिरा गांधी ने इसे अस्वीकार कर दिया था। ये कहा जा रहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने का अंततः सबसे अधिक फ़ायदा बीजेपी और कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को होगा और छोटी पार्टियों के लिए एक साथ कई राज्यों में स्थानीय और लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान चलाना कठिन हो सकता है।

बहरहाल, कांग्रेस कह चुकी है कि वो एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का कड़ा विरोध करती है और इस विचार पर काम नहीं करना चाहिए। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने हाई लेवल कमेटी के आगे पूरी तरह से वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध नहीं किया था लेकिन उसने इसको लेकर चिंता जताई। पार्टी प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एक साथ कराने वाले प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट की मंज़ूरी पर हमारी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है, लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना ज़रूरी है।

नगालैंड का एक आत्मनिर्भर गांव

बाबा मायाराम

यह पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा बहुत खूबसूरत है। यहां झूम खेती होती है। लेकिन खेती के काम के बाद भी काफी खाली समय होता है, उसमें महिलाएं घरों में बुनाई का काम करती थीं। आम तौर पर अप्रैल से अक्टूबर तक महिलाओं का काम खेती-किसानी में होता है।

इसका एक उद्देश्य नई पीढ़ी को परंपरागत हस्तकला का कौशल हस्तांतरित करना है। नई युवा पीढ़ी को इस हुनर को सिखाना है, उन्हें प्रशिक्षित करना है। चिजामी के बुनाई सिलाई केन्द्र में आसपास के गांवों व कस्बों की युवतियां प्रशिक्षण लेती हैं। महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। बच्चों की शिक्षा बेहतर हुई है। उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ है। युवाओं की बेरोजगारी कम हुई है। यह चिजामी का माडल सराहनीय होने के साथ साथ अनुकरणीय भी है। कुछ समय पहले मुझे नगालैंड के एक गांव में करीब सप्ताह भर रहने का मौका मिला। वहां जंगल था, खूबसूरत पहाड़ थे, पीने के पानी के जलस्रोत के झरने थे, पौष्टिक अनाजों की खेती थी। अच्छा स्कूल था। समृद्ध पुस्तकालय था। परंपरागत हस्तकला थी। यहां परंपरा के साथ आधुनिक जीवनशैली की झलक दिखाई देती थी। इस कॉलम में नगालैंड के इस अनूठे अनुभव को साझा करना चाहूंगा, जिससे अल्पज्ञात इस इलाके की एक झलक मिल सके। दक्षिणी नगालैंड का एक छोटा गांव है चिजामी। यह गांव वैसे तो आम गांवों की तरह है, लेकिन यहां होने वाले सामाजिक-आर्थिक बदलावों ने इसे खास बना दिया है। महिला अधिकारों से लेकर टिकाऊ खेती और पारंपरिक आजीविका के कामों ने इसे एक आदर्श गांव बना दिया है। बुनाई-सिलाई जैसी पारंपरिक हस्तकला को पुनर्जीवित किया है। उत्तर पूर्व का यह इलाका कई विविधताओं व प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। इसकी झलक इस गांव में भी दिखाई दी। यहां खान-पान,रंग बिरंगी पोशाक व सादगीपूर्ण जीवनशैली की भी अनूठी संस्कृति है।

देश-दुनिया में इस गांव की पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर के मामले में मिसाल दी जाती है। यहां की महिलाएं बुनकरी के माध्यम से आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। पौष्टिक अनाजों की खेती को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है। और यहां की पारंपरिक बुनकरी का कोई जोड़ नहीं है। यहां के डिजाइन वाले कपड़ों की काफी मांग है। फेक जिले के अंतर्गत आता है चिजामी। यहां 600 घर हैं और आबादी 3000 के आसपास है। यह गांव पहाड़ और जंगल के बीच स्थित है। चिजामी, नागालैंड की राजधानी कोहिमा से 88 किलोमीटर दूर है। मैं यहां इस गांव की बदलाव की कहानी देखने-समझने गया था। इस दौरान मैं कई लोगों व गांव के समूहों से मिला। यहां की खेतों में गया, किसानों से मिला। यहां देसी बीज बैंकों को देखा और युवाओं से बात की। प्राकृतिक खेती भी देखी, जिसमें हल नहीं चलाया जाता। झूम खेती में भी हल नहीं चलाया जाता। लेकिन प्राकृतिक खेती, कुछ मत करो, के सिद्धांत पर की जाती है। जबकि झूम खेती में बारिश के पूर्व पत्तियों व छोटी टहनियों को जलाकर उसकी राख में बीज छिड़क दिए जाते हैं, जो बारिश होने पर उग आते हैं और बाद में फसलें पक जाती हैं। इसमें मिश्रित फसलें बोई जाती हैं।

यहां एक महिला अधिकारों पर काम करने वाली संस्था है, जिसका नाम नार्थ ईस्ट नेटवर्क है। यह महिला स्वास्थ्य, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और पर्यावरण शिक्षा पर काम करती है।

यह संस्था 1995 के आसपास से कार्यरत है। तीन राज्यों- असम, मेघालय और नागालैंड में काम करती है। संस्था ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम किए हैं, जिनमें से एक है चिजामी की पारंपरिक बुनाई। चिजामी में एनईएन (नार्थ ईस्ट नेटवर्क) का मुख्य कार्यालय है और बुनाई-सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र भी है।

यह पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा बहुत खूबसूरत है। यहां झूम खेती होती है। लेकिन खेती के काम के बाद भी काफी खाली समय होता है, उसमें महिलाएं घरों में बुनाई का काम करती थीं। आम तौर पर अप्रैल से अक्टूबर तक महिलाओं का काम खेती-किसानी में होता है। और इसके बाद वे नवंबर से मार्च तक बुनाई का काम करती हैं। यहां विशेष नागा हथकरघे पर जिसे अंग्रेजी में लोइन लूम कहते हैं, पर बुनाई की जाती है। पारंपरिक पोशाकों की बुनाई पहले भी होती थी, लेकिन वह परिवार और त्यौहारों की जरूरत के लिए महिलाएं करती थीं। पारंपरिक परिधानों से लेकर अब घर की सजावट के लिए फैशनपरस्त सामान और पोशाक सामग्री के कई उत्पाद बनाती हैं। साल 2008 में 7 महिलाओं के साथ शुरू हुई इस यात्रा में आज सैकड़ों महिलाएं जुड़ चुकी हैं। फेंक जिले के करीब दर्जन भर से ज्यादा गांवों में इसका नेटवर्क है। यहां के विशेष हथकरघे से बने उत्पादों को बढ़ावा दिया गया है। जिसमें परंपरागत नागा शाल और मेखला प्रमुख हैं। इसके अलावा, बेल्ट, झोला, मफलर, बटुआ, टेबल रनर,शाल, कुशन कवर आदि शामिल हैं। इनमें ये सभी उत्पाद कई तरह की डिजाइन में उपलब्ध हैं।

इन उत्पादों को प्रदर्शनियों में, मेलों में और एनईएन के चिजामी, कोहिमा और गुवाहाटी कार्यालयों से खरीदा जा सकता है। इसके साथ ही मुंबई, दिल्ली, गोवा और गुवाहाटी की चुनिंदा दुकानों में भी उपलब्ध हैं। बुनाई घरों में होती है और उत्पाद बनाकर एनईएन केन्द्र में देते हैं। इन केन्द्रों में उत्पादों की गुणवत्ता की जांच कर निर्धारित राशि का भुगतान किया जाता है। इस काम से जुड़ी एक महिला बताती है कि वे इस काम से 10 साल से जुड़ी हैं और यह कई तरह से मददगार है। उनकी बेटी की पढ़ाई में मदद मिली। उनका कई कार्यक्रमों से आत्मविश्वास बढ़ा। आगे वे कहती हैं कि शुरूआत में इस काम को परिवार में पसंद नहीं किया जाता था, लेकिन जब इससे आय बढ़ने लगी तो इसे मान्यता मिलने लगी।

इस कार्यक्रम से जुड़ी एक अन्य कार्यकर्ता ने बताया कि हमने पुराने परंपरागत घर की बुनाई को पुनर्जीवित किया। इसके लिए मुंबई और दिल्ली से विशेषज्ञों व डिजाइनरों की मदद ली गई। और कई तरह के उत्पाद विकसित किए। और लाल, काले और सफेद के अलावा दूसरे रंग भी आजमाए हैं।

कोविड महामारी के दौरान यहां की महिलाओं ने सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया था। साथ ही लोगों की मदद भी की थी। उन्हें वैकल्पिक रोजगारों से भी जोड़ा था। बाजारों में महिलाओं ने भी दुकानें लगाई थी, जिससे उनके जीविकोपार्जन में दिक्कत न आए। महिलाओं के साथ युवाओं ने मोबाइल व सोशल नेटवर्किंग की मदद से लोगों का सहयोग किया। महामारी के दौरान इससे स्वास्थ्य और भोजन पर एक नई चेतना पैदा हुई है। इसी तरह, महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने इस बात को दिखाया है कि किस तरह स्थानीय स्तर पर जैविक उत्पाद उगाए जा सकते हैं, भोजन की जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। रोजगार में भी आत्मनिर्भर बना जा सकता है। अगर हम इसे आदर्श मानें, तो हमें आदर्श गांव में क्या क्या चाहिए, इसकी फेहरिस्त बन सकती है। जैसे एक गांव में अच्छा होने के लिए जंगल चाहिए या पेड़-पौधे से हरा—भरा गांव होना चाहिए, जिससे जल का संरक्षण हो। ऐसी खेती चाहिए, जिससे मिट्टी-पानी का संरक्षण हो। यानी रासायनिक खादों व कीटनाशकों से बचा जाए, जो हमारी खेती को प्रदूषित कर रहे हैं दस्तकारी के कामों से परंपरागत कला व हुनर भी बचेंगे और आजीविका भी मिलेगी।

इस पूरे कार्यक्रम का एक पहलू युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्हें पारंपरिक कौशलों से जोड़ना है। उन्हें पर्यावरण व पारिस्थितिकीय से जोड़ना, न्यायसंगत और टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को समझाना, सकारात्मक व रचनात्मक कामों से जोड़ना भी है। उन्हें इसके लिए खेतों व जंगलों का भ्रमण, जैव विविधता की सैर, खेती के तौर-तरीके सिखाना, पौधे लगाना और उनकी परवरिश करना सिखाना भी है। मिट्टी, पानी, बीज प्रणाली, कीटों के बारे में भी जानकारी दी जाती है। पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जाता है। इसके लिए समय समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। कुल मिलाकर, इस पूरे काम से कुछ बातें कही जा सकती हैं। चिजामी में आदर्श गांव है। यहां महिलाओं ने इसे स्वावलंबी बनाने की दिशा में काफी काम किया है। चिजामी की बुनाई का यह काम टिकाऊ आजीविका है, विशेषकर उन महिलाओं के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इससे नगालैंड की पारंपरिक हस्तकला का संरक्षण हुआ है। नागाओं के विशेष हथकरघे से बने उत्पादों को देश-दुनिया के बाजारों में पहुंचाया गया है।

अजब-गजब

बार-बार बह रही थी नाक, डॉक्टर को दिखाया तो छेद से निकल रहा था दिमाग

कई बार हम लोगों को कुछ चीजें बड़ी ही नॉर्मल लगती है, लेकिन कई बार उनके पीछे बहुत बड़ा कारण होता है और हम लोग ना समझकर अजाने में छोड़ देते हैं और अंत उसका काफी ज्यादा भयानक होता है। ऐसी ही एक बीमारी इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है। रिपोर्ट के मुताबिक मामला सीरिया का है और यहां रहने वाले एक शख्स को अजीब बीमारी थी, जिस कारण उसकी नाक बार-बार बहती रहती थी, शुरुआत में तो उसे लगा ये नॉर्मल एलर्जी है लेकिन बाद में उसने जब डॉक्टर को दिखाया और फिर डॉक्टरों ने जो उसे बात बताई। उसे जानने के बाद उसके पैरों तले जमीन ही खिसक गई।

इस दुर्लभ बीमारी के कारण अस्पताल ने 20 वर्षीय शख्स की पहचान को उजागर नहीं किया लेकिन जब इसको लेकर अस्पताल में जब पूछताछ की गई तो पता चला कि छह साल पहले उसका एक कार एक्सीडेंट हुआ था और उसे काफी ज्यादा चोट लगी थी, लेकिन उसके बाद उसने अपना इलाज करवाने से मना कर दिया और इस दुर्धटना के बाद उसे बार छींक आने लगी और इस दौरान उसे सिर में दर्द और बेहोशी हो जाती थी। डॉक्टरों ने उसे देखा तो पता लगाया कि सका मस्तिष्क उसकी नाक से बाहर निकल रहा था। इसको लेकर जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की रक्षा करने वाला तरल पदार्थ है। जिसे सेरेब्रोस्पाइनल द्रव (सीएसएफ) कहा जाता है। इस बीमारियों को लेकर डॉक्टरों ने दावा किया कि ये एक तरह का जन्मजात दोष भी माना जाता है, लेकिन सीरिया वाले शख्स को यह दुर्लभ बीमारी कार एक्सीडेंट में लगी गंभीर चोट की वजह से हुई थी। इतना सबकुछ जानने के बाद उसने फौरन अपना अस्पताल में अपनी सर्जरी करवाई।

इसके बाद डॉक्टरों ने उसके दिमाग की सर्जरी की और उम्मीद जताई की वह अब पूरी तरह से ठीक हो गया है। अब चुकी ये मामला काफी ज्यादा दुर्लभ है इसलिए डॉक्टर उसके ऊपर केस स्टडी करना चाहते हैं, ताकि वो उसके बारे में जान सके। डॉक्टरों के लिए खुशखबरी ये है कि वो इसके लिए मान भी गया है।

ब्लॉग

खेती को खोखला कर देंगी, जीएम फसलें

भारत डोगरा

एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। जेनेटिकली मोडीफाईड' फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं। हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था।

इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है। हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है। ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि। यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है।

इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं। इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है।

जाहिर है, 'जीएम' व 'गैर-जीएम' फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 'जीएम' फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों से सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। 'जीएम' फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।'

वैज्ञानिकों ने इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। गंभीर दुष्परिणाम आने पर भी हम इनकी क्षतिपूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक-प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण, पर्यावरण में पहुंचने के बाद हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से 'जीएम' फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से 'जीएम' फसलों के गंभीर खतरों को उजागर करने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक रुले' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। 'जीएम' उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक-उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है।

सन् 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं।

इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया। 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए। 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है। 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं। केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए, तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं।एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। भेड़-बकरी चराने वालों ने स्पष्ट बताया कि सामान्य कपास के खेतों में चरने पर ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं पहले नहीं देखी गईं, 'जीएम' के आने के बाद ही ये समस्याएं देखी गईं। हरियाणा में दुधारू पशुओं को 'बीटी' कपास के बीज व खली खिलाने के बाद उनमें दूध कम होने व प्रजनन की गंभीर समस्याएं सामने आईं हैं।

कृषि व खाद्य क्षेत्र में 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की टैक्नॉलाजी मात्र छः-सात बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में केंद्रित है। इन कंपनियों का मूल आधार पश्चिमी देशों में है। इनका उद्देश्य 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' के माध्यम से दुनियाभर की कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में कभी संभव नहीं हुआ। इन तथ्यों व जानकारियों को ध्यान में रखते हुए सभी 'जीएम' फसलों का विरोध जरूरी है। इसके साथ अवैध ढंग से हमारे देश में जिन 'जीएम' खाद्य उत्पादों का आयात होता रहा है उस पर पूरी तरह रोक लगाना भी जरूरी है।

इस विषय पर सबसे गहन जानकारी रखने वाले भारत के वैज्ञानिक थे, प्रो. पुष्प भार्गव। एक लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 शोध प्रकाशनों ने 'जीएम' फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा है। दूसरी ओर 'जीएम' फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं।

'जीएम' फसलों के समर्थक कहते हैं कि उसे वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधान का आकलन कर यह स्पष्ट बता दिया कि अधिकांश निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने 'जीएम' फसलों का विरोध ही किया है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन वैज्ञानिकों ने 'जीएम' को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर 'जीएम' बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से जुड़े रहे हैं। आज जब शक्तिशाली स्वार्थों द्वारा 'जीएम' खाद्य फसलों को भारत में स्वीकृति दिलवाने के प्रयास अपने चरम पर हैं, यह बहुत जरूरी है कि इस विषय पर शीर्ष विशेषज्ञ प्रो. पुष्प भार्गव की तथ्य व शोध आधारित चेतावनियों पर समुचित ध्यान दिया जाए।

एक साल पहले लव मैरिज, अब ससुराल में मिली युवती की लाश, फफक पड़ा पिता, बोला- 'दर्द में थी बेटी'

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सहजनवा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक 22 साल की युवती ने सुसाइड कर लिया. युवती का शव घर के एक कमरे में फंदे पर लटका मिला. युवती ने एक साल पूर्व प्रेम विवाह किया था.पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति, सास समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है.

सहजनवा थाना क्षेत्र के सीहापार गांव के रहने वाले धर्मेंद्र की 22 वर्ष बेटी आंचल का प्रेम विवाह एक साल पूर्व इसी थाना क्षेत्र के महुआपार निवासी उमेश के साथ हुआ था. गांव वालों का कहना है कि दोनों में स्कूल की पढ़ाई के समय से प्रेम सम्बन्ध था. इन दोनों के संबंधों की चर्चा आसपास के गांव में भी होती थी. हालांकि, दोनों के घरवालों ने अपनी रजामंदी शादी के लिए दे दी. दोनों ने एक साल पूर्व विवाह किया था.

युवती के पिता ने लगाए आरोप

पुलिस के सामने युवती के पिता फफक पड़े. उन्होंने कहा कि बेटी दर्द में थी. उन्होंने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद तक तो मामला सब कुछ ठीक था, लेकिन उसके बाद बेटी के ससुराल वालों के मन में लालच आने लगा. ससुराल वाले पैसे की डिमांड करने लगे. इसके लिए बेटी को प्रताड़ित भी करते थे. बेटी ने जब अपनी मां को बताया तो हम लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार दहेज भी दिया, लेकिन उससे ससुराल वालों का पेट नहीं भरा. अधिक दहेज की लालसा में उन लोगों ने मेरी बेटी को और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया.

पिता ने बताया कि वह बेटी के ससुराल गए और सास-ससुर से बात भी की, लेकिन वह मानने की बजाय मेरी बेटी को और भी प्रताड़ित करने लगे. बेटी जब भी अपनी मां को फोन करती तो रोते हुए अपना दुःख बताती थी. वह कहती थी कि ससुराल के लोग मुझे तो इंसान समझते भी नहीं हैं. जो लड़का मेरे आगे-पीछे घूमता था, वह भी उन लोगों को साथ मिल गया है. ससुराल वालों की प्रताड़ना में शामिल हो गया है. मेरी कोई बात नहीं सुनता है. ऐसे में मेरा जीने का मन नहीं करता. उसकी जब सहनशक्ति खत्म हो गई तो कल रात में किसी समय अपना जीवन खत्म कर लिया.

युवती के पिता के मुताबिक, सुबह मुझे गांव के व्यक्ति से सूचना मिली कि आपकी बेटी अब इस दुनिया में नहीं है. मैं जब उसके ससुराल पहुंचा तो वहां लोग बेटी के दाह संस्कार की तैयारी में लगे थे. उन लोगों ने खुद मुझे घटना की सूचना नहीं दी थी. ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई. वहां जाने पर पता चला की बेटी ने सबको खाना रात में बना कर खिलाया था. खुद कुछ नहीं खाया. रात के समय उसने पंखे के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी.

क्या बोले अधिकारी?

इस संबंध में एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर पति उमेश, सास सुमन्ता देवी, देवर राजन और राज के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया गया है. मामले में पति व सास को गिरफ्तार कर लिया गया है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. रिपोर्ट आने के बाद साक्ष्यों व तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो : डीएम

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर । जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील बिसवां में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक डा0 प्रवीन रंजन सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों एवं बैंकों के स्टाल लगाये गये, जिसमें लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी दी गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार, जिला विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र प्रजापति, क्षेत्राधिकारी बिसवां सतीश चन्द्र शुक्ला, तहसीलदार बिसवां उमा शंकर त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन छात्राएं हुईं लापता, घरवाले बोले- स्कूल जाने से पहले बेटी ने बैग में रखा था कपड़े-चप्पल, हरिद्वार में मिला लोकेशन

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में द्रोपती कन्या इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की तीन छात्राएं कॉलेज में पढ़ने गई और उसके बाद वह अपने घर नहीं पहुंची और लापता हो गईं। घरवालों ने घर नहीं पहुंचने पर थाना किला में पुलिस को सूचना दी। सूचना पर तुरंत ही पुलिस कॉलेज पहुंची और घरवालों ने छात्राओं की सहेलियों से पूछताछ की, लेकिन अभी तक पता नहीं चल पाया है।

तीनों छात्रोंओ को उनके रिश्तेदारों के यहां भी खोजा जा रहा है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। वहीं चौथी छात्रा से भी पुलिस ने पूछताछ की। बरेली के थाना किला के स्वाले नगर नवादिया बाकरगंज और अलकनाथ मंदिर के पास की रहने वाली तीन छात्राएं द्रोपती कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 9 में पढ़ती हैं। तीनों छात्राएं कल सुबह 7:30 कॉलेज पहुंची। दोपहर तक कॉलेज की छुट्टी हो गई, लेकिन तीनों अपने घर नहीं पहुंची।

सीसीटीवी में दिखीं तीनों छात्राएं

घरवाले कॉलेज पहुंचे, कॉलेज प्रशासन ने सीसीटीवी कैमरा की फुटेज देखा तो छात्राएं अपनी क्लास में सबसे पीछे एक ही बेंच पर बैठकर हंसती हुई दिखाई दे रही थीं। इसके बाद हुसैन बाग की रहने वाली अपनी ही क्लास की छात्रा के साथ जाती हुई दिखाई दी। एक की मां ने बताया है कि उसकी बेटी ने स्कूल जाने से पहले बैग में कपड़े और चप्पल रखी थी।

इसके बाद पुलिस ने चौथी छात्रा से काफी देर तक पूछताछ की। उसके बाद पुलिस ने उसे घर भेज दिया। तीनों छात्राओं की लोकेशन हरिद्वार में मिलने पर पुलिस टीम हरिद्वार के लिए रवाना हो गई। हालांकि, पुलिस ने अभी लोकेशन मिलने या कहां मिलने की पुष्टि नहीं की है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। वहीं पूरे मामले में किला इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि तीनों छात्राओं को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस टीम को हरिद्वार के लिए रवाना कर दिया है।

हत्या आरोपी का फंदे पर लटका मिला शव

महोली/सीतापुर। कोतवाली इलाके में हरैया गांव निवासी हिटलर पुत्र मुन्नालाल 30 वर्ष ने फांसी लगाकर जान दे दी। हिटलर बीते दिन पहले हुई भोजपाल की हत्या के मामले में आरोपी था। बताया जाता है कि उसने रात में घर के सामने नीम के पेड से फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि हिटलर ने पुलिस के खौफ के चलते यह कदम उठाया। उसका एक भाई दिमागी रूप से कमजोर है। उसके एक बच्ची है। दो वर्ष पहले उसकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। बतादें कि कोतवाली इलाके के गांव हरैया में बीते दिनों भोजपाल पुत्र लल्लू की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उसका शव तालाब के किनारे मिला था। मामले में पत्नी बिट्टू के द्वारा गांव के सत्यपाल, हिटलर और जयकरन पर मारपीट का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। जिसके बाद उक्त तीनों के खिलाफ पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था।

स्कूल का वातावरण ठीक नहीं है... प्रिंसिपल को हड़का रहा था 'फर्जी अधिकारी', 5 मिनट में खुल गई पोल

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के सरकारी विद्यालय में शिक्षा विभाग का फर्जी अधिकारी बनकर पहुंचे एक शख्स ने टीचरों और प्रिंसिपल को हड़का दिया। उन्हें विद्यालय में शैक्षिक वातावरण सही करने और कार्रवाई की धमकी दे डाली। हिम्मत कर टीचरों ने फर्जी अधिकारी से जब पहचान पत्र मांगा तो वह कान से मोबाइल लगाकर स्कूल से भाग गया। स्कूल के प्रिंसिपल ने पुलिस से शिकायत की है।

फर्जी अधिकारी की शिनाख्त कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। प्रिंसिपल का कहना है कि खुद को शिक्षा विभाग का अधिकारी बताने वाला शख्स शराब के नशे में था। स्कूल में दाखिल होते ही उसने टीचरों को धमकाना शुरू कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। घटना की चर्चा जिले में बनी हुई है।

स्कूल में घुसा शख्स, बताया शिक्षा विभाग का अधिकारी

मामला जिले के कंपोजिट विद्यालय ढेलवा थाना नंदगंज का है। स्कूल में छात्रों की क्लास चल रही थी। विद्यालय के टीचर्स अपनी-अपनी क्लास में थे। तभी एक व्यक्ति स्कूल पहुंचा और वह स्कूल के प्रधानाचार्य से सवाल जवाब करने लगा। उसने टीचरों से भी पूछताछ शुरू कर दी। जब अध्यापकों ने उससे परिचय पूछा तो वह भड़क गया। फिर उसने अपने आप को प्रयागराज बेसिक कार्यालय का एक अधिकारी बताया। परिचय देने के बाद वह टीचरों को धमकाने लगा। उसने कहा कि आपके विद्यालय में शैक्षिक वातावरण सही नहीं है। अगर इसकी रिपोर्ट ऊपर कर दी तो आप सब पर विभागीय कार्रवाई हो जाएगी।

टीचरों ने मांगा परिचय पत्र, घबरा हुआ फरार

इस दौरान टीचरों ने उसका परिचय पत्र और निरीक्षण आदेश मांगा। इस पर वह घबरा गया और कार्रवाई करने की धमकी देने लगा। टीचरों को मामला कुछ गड़बड़ लगा तो उन्होंने फिर से उससे परिचय पत्र मांगा और नहीं देने की स्थिति में पुलिस बुलाने की बात कही। इतना सुनते ही खुद को शिक्षा विभाग का अधिकारी बताने वाले शख्स की 5 मिनट में ही हवा निकल गई। वह मोबाइल पर बात करते-करते स्कूल के गेट तक पहुंचा और उसके बाद वहां से वह भाग निकला। इस दौरान टीचरों ने उसका फोटो खींच लिया।

स्कूल के प्रधानाचार्य दिग्विजय सिंह ने मामले की शिकायत पुलिस से की। उन्होंने बताया कि स्कूल आकर अधिकारी बताने वाला व्यक्ति शराब के नशे में भी था। उसकी पहचान दीपक यादव पुत्र गुलाब यादव निवासी ग्राम सहेड़ी थाना नंदगंज के रूप में की गई। इससे संबंधित तहरीर थाना अध्यक्ष नंदगंज को दिया गया है।

गर्भवती प्रेमिका की पहले बेरहमी से हत्या की, फिर हाथ-मुंह धुला...गिरफ्तारी के बाद छह दिन तक पुलिस को छकाया

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। फतेहपुर जिले में हाईस्कूल की गर्भवती छात्रा की हत्या के मामले में कई खुलासे हुए हैं। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। कई जगह पर आरोपी की कार शाम को दिखी है। आरोपी कस्बे के लललौली रोड स्थित एक पेट्रोल पंप में भी करीब रात आठ बजे घटना के बाद पहुंचा। वहां उसने हाथ-मुंह धुला। माना जा रहा है कि हत्या के दौरान आरोपी के शरीर पर कुछ खून लगा होगा। पेट्रोल पंप में साफ करने पहुंचा था। आरोपी पहले सभासद का चुनाव भी लड़ चुका है। उसका भाई कन्नौज में बैंक कर्मी है।

पुलिस ने छात्रा के प्रेमी सेवानिवृत्त बीडीओ के पुत्र शिवेंद्र उर्फ शीबू रैदास को जेल भेजा है। पूछताछ में आरोपी शिवेंद्र ने कबूल किया है कि गर्भपात की दवा के बहाने किशोरी को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर दिया। फिर किशोरी को जाफराबाद स्थित बाईपास लेकर पहुंचा। कार में रखी रॉड से बेहोशी हालत में किशोरी के सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक शातिर दिमाग हत्यारोपी वारदात के बाद बिना डरे परिवार के साथ छात्रा की तलाश में जुटा रहा। यहां तक कि उसने तहरीर भी अपने हाथ से लिखकर पुलिस को दी थी। वह पहले पुलिस के मुखबिर के रूप में काम करता था। आरोपी के नौ महीने से अधिक समय से किशोरी से शारीरिक संबंध थे। वह परिवार के और भी एक सदस्य से मोबाइल पर बातचीत करता था। उसी मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉलिंग पर छात्रा से बातचीत करने लगा था। खुलासे में पुलिस ने बताया कि मोबाइल कॉल डिटेल की जांच के बाद शिवेंद्र उर्फ शीबू रैदास को हिरासत में लिया।

बेटी के मर्डर का था प्लान, बचाने आ गई मां, ईंट से कूचकर महिला की हत्या... पुलिस ने बदमाश का किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के महाराजपुर के पुरवा मीर में कल महिला की हत्या और एक बच्ची की हत्या की कोशिश की गई। इस मामले में कानपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में महिला की हत्या और उसके साथ सो रही एक बच्ची पर गंभीर हमला करने वाले आरोपी कमलेश्वर कमलू को दोमानपुर गंगा पुल के पास मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस कमिश्नरेट कानपुर के डीसीपी ईस्ट श्रवण कुमार ने बताया कि घटना के बाद 24 घंटे के भीतर महाराजपुर में हुई घटना का खुलासा हो गया है। आरोपी से मुठभेड़ के बाद उसके दाएं पैर में गोली लगी है। उसका इलाज कराया जा रहा है। प्राथमिक जांच पड़ताल में आरोपी ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। पुलिस ने बताया कि जिस महिला की हत्या हुई उसके पति शंकर सविता की 10 साल पहले मौत हो चुकी है। उसके दो बेटे जो शादीशुदा हैं, वह बाहर रहते हैं। मटका कुसुम गांव में अकेले रहती थी। कुसुम के घर से कुछ दूरी पर दिनेश का घर है। दिनेश, कुशमा के देवर का बेटा है।

मां के साथ सो रही थी प्रियांशी

घटना के बारे में जानकारी देते हुए दिनेश ने बताया कि रात को प्रियांशी कुसुम के साथ उसके घर पर ही सो रही थी, लेकिन जब सुबह घटना की जानकारी हुई तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। क्षमता देवी की खून से लथपथ लाश जमीन पर पड़ी हुई थी। उसकी बेटी भी गंभीर अवस्था में खून से लटपट थी। दोनों के सर पर ईंट से हमला किया गया था।

पूरे मामले में जांच करने के बाद, पुलिस ने कुछ सबूत जुटाए। स्थानीय पूछताछ में पुलिस को आरोपी कमलू उर्फ कमलेश पर शक हुआ। जब पुलिस ने उसके घर पर पहुंची, तभी वहां से भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने देर रात अंधेरे में कमलू के गांव वापस लौटने का इंतजार किया और सूचना पर उसे पकड़ने को गंगापुर पर रोका। लेकिन कमलू ने फायर कर दिया। यह देखते ही पुलिस बल ने भी जवाबी फायरिंग की और कमलू के पैर में गोली लगी।

डीसीपी ने दी घटना की जानकारी

डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि प्रियांशी का हैदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके साथ ही आरोपी से मुठभेड़ के बाद जब प्रियांशी को उसकी फोटो दिखाई गई तो उसने उसकी पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार कमलू उर्फ़ कमलेश गांव के पड़ोस का ही रहने वाला है और नशे का आदी है। उसने प्रियांशी को दबोचा, लेकिन कुसुमा के विरोध के चलते आरोपी उग्र हो गया और उसने ईंट- पत्थरों से मार-मार कर उसकी हत्या कर दी। साथ ही बच्ची को भी जान से मारने की कोशिश की।

काल बनकर दौड़ी कार, खड़े डंपर में पीछे से घुसी, चालक और दो महिलाओं समेत चार की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। औरैया जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव हरनागरपुर समीप शनिवार दोपहर 12 बजे के करीब एक तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े गिट्टी लदे डंपर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार डंपर के नीचे आधे से ज्यादा घुस गई। कार में बैठे चालक समेत दो महिलाओं व एक बच्चे की मौत हो गई। निकल रहे वाहन चालकों की सूचना पर एक्सप्रेसवे सिक्योरिटी टीम व एरवाकटरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को आधे घंटे तक क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकालने का प्रयास जारी रहा। जानकारी के अनुसार, आगरा से लखनऊ की ओर जा रही कार में मृत मिले चालक की जेब से पुलिस ने आधार कार्ड बरामद किया। इसमें पते के तौर पर पीयूष यादव पुत्र शिव कुमार यादव फ्लैट नंबर 903 टॉवर सी-01 एलए रेजीडेंशिया के पास नोयडा सूरजपुर गौतमबुद्ध लिखा मिला। वहीं, चालक के बगल वाली सीट पर बैठी महिला का शव बुरी तरह से कार में फंसा रहा। कार के पीछे बैठी महिला व एक चार वर्षीय बच्चे के शव को भी कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकला। एक्सप्रेसवे पर खड़े डंपर के बारे में पुलिस ने जांच पड़ताल की। उसकी नंबर प्लेट पर कीचड़ लगा हुआ मिला। सूचना पर एम्बुलेंस भी पहुंच गई। मौके पर एक्सप्रेसवे सिक्योरिटी इंचार्ज मनोहर सिंह व एरवाकटरा थाना प्रभारी संतप्रकाश पटेल पुलिस कर्मियों के साथ शव को बाहर निकालने व शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटे रहे।

पति बना जल्लाद! पत्नी के चेहरे को धारदार हथियार से, मरा समझ छोड़ा, हुआ गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में एक पति ने पारिवारिक कलह के चलते पत्नी को जान से मारने की कोशिश की। पति ने पत्नी पर कई बार धारदार हथियार से हमला किया। आरोपी पति को जब तक ये विश्वास नहीं हो गया कि पत्नी मर गई है तब तक उस पर हमला करता रहा। पत्नी को मरा हुआ समझकर आरोपी पति मौके से फरार हो गया। वहीं जब उसके बेटे ने मां को गंभीर हालत में देखा तो इलाज के लिए अस्पताल ले गया। बेटे ने ही इसकी सूचना पुलिस को दी। वहीं पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

घटना माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बंगरा के कुदारी मोड़ रेंढर मोड़ की है। ज्ञान सिंह पुत्र मुलू का अपनी पत्नी माया देवी के साथ घरेलू विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि ज्ञान सिंह ने घर में रखे लोहे के धारदार हथियार से पत्नी पर हमला बोल दिया और उसके ऊपर तब-तक वार करता रहा, जब तक उसे विश्वास नहीं हुआ कि उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह पत्नी को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गया। इस जघन्य वारदात को जब उसके पुत्र मनीष उर्फ गोलू ने देखा तो तत्काल इसके बारे में पुलिस को सूचना दी और अपनी मां को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। महिला की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्रथम उपचार करने के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

पुत्र ने महिला को पहुंचाया अस्पताल

उरई मेडिकल कॉलेज में महिला का इलाज चल रहा है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी ज्ञान सिंह की खोजबीन की और उसे बंगरा क्षेत्र से ही गिरफ्तार का लिया। आरोपी के खिलाफ पुत्र मनीष की शिकायत पर बीएनएस की धारा 109 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं उसकी निशानदेही पर अपनी पत्नी के ऊपर जिस हथियार से हमला किया था उसे बरामद कर लिया है

उरई मेडिकल कॉलेज में महिला का चल रहा इलाज

घटना के बारे में माधौगढ़ के सीओ राम सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि घरेलू विवाद की वजह से ज्ञान सिंह ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी पति ने अपनी पत्नी पर बेरहमी से हमला किया। पुत्र की शिकायत पर उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 109 में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करते हुए जेल भेज दिया। वहीं महिला का राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज चल रहा है।

एक बीमारी और अपनों ने छोड़ा साथ, 8 साल पहले बेटे को अस्पताल में भर्ती करा कर भाग गए थे घरवाले, भावुक कर देगी ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां भोजीपुरा में एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 2016 में निशांत गंगवार नाम के एक 15 साल के बच्चे को उसके घरवालों ने भर्ती कराया था। निशांत कोगुलियन बैरे सिंड्रोम बीमारी थी। निशांत गंगवार के घरवाले उसे भर्ती कराकर अपने घर चले गए। सालों बीत गए लेकिन निशांत के घरवाले लौटकर नहीं आए। आठ साल तक मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने उसका इलाज किया, लेकिन शुक्रवार को कार्डियक अरेस्ट से उसकी मौत हो गई।

निशांत की मौत के बाद अंतिम संस्कार कराने के लिए कॉलेज प्रशासन ने जिला प्रशासन और भोजीपुरा थाना को इसकी सूचना दी। इस पर एसडीएम सदर गोविंद मौर्य का कहना है कि सीएमओ से बात हुई है। पुलिस शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम कराएगी। फिर संबंधित धर्म के एनजीओ के जरिए शव का अंतिम संस्कार कराया जाएगा। फिलहाल, निशांत के शव को मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखा गया है।

जन्म से नहीं चल पाता था निशांत

निशांत गंगवार जन्म से ही वह नहीं चल पाता था और असमर्थ था। मेडिकल कॉलेज की ओर से निशांत के इलाज की सूचना जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन को समय समय पर दी जाती रही। समाचार पत्रों में भी निशांत के संबंध में कई समाचार प्रकाशित हुए, लेकिन निशांत के माता-पिता या कोई रिश्तेदार उसे देखने नहीं आए। तब से मेडिकल कॉलेज प्रशासन ही निशांत का इलाज और ख्याल रख रहा था। डॉक्टरों का कहना है कि गुलियन बैरे सिंड्रोम से पीड़ित होने की वजह से निशांत के हाथ-पैर कमजोर हो गए थे और वह चलने फिरने और सामान उठाने में असमर्थ था।

क्या है गुलियन बैरे सिंड्रोम बीमारी?

मनवीर सिंह ने कॉलेज के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. आरपी सिंह इस बीमारी के बारे में जानकारी ली तो बताया कि गुलियन बैरे सिंड्रोम लाइलाज विकार है। इससे पीड़ित के शरीर में दर्द होता है। बाद में मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। धीरे-धीरे शरीर लकवाग्रस्त हो जाता है। प्रतिरोधी क्षमता प्रभावित होने के कारण इसे आटो इम्यून डिजीज भी कहते हैं। इससे तंत्रिका तंत्र पर भी असर पड़ता है और तंत्रिकाएं मस्तिष्क के आदेश नहीं पकड़ पाती हैं, न ही मांसपेशियों को पहुंचा पाती हैं। रोगी को किसी चीज की बनावट पता नहीं चलती। सर्दी, गर्मी और दूसरी अनुभूतियां भी महसूस नहीं होती हैं और मरीज को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

मोबाइल तो नहीं संभाल रहा है आपकी कमान, ये उपाय

आजमाएं और ख़ुद को मोबाइल का गुलाम होने से बचाएं

हम सोशल मीडिया में क्या देख रहे हैं, उससे कहीं ज़्यादा यह जानना ज़रूरी है कि किस तरह का कंटेंट देख रहे हैं। जो विचार, मूल्य और संदेश हम ग्रहण करते हैं, वे धीरे-धीरे हमारे चारों ओर की दुनिया को देखने का तरीक़ा बदल सकते हैं।

सामाजिक

पिछले कुछ सालों में डिजिटल माध्यमों का चलन काफ़ी बढ़ा है। सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो, ब्लॉग्स, और न्यूज़ एप्स जैसे विभिन्न प्रकार के प्लेटफॉर्म्स पर लोग हर तरह का कंटेंट देख रहे हैं। इन तमाम तरह के कंटेंट ने लोगों की सोच, अनुभव और जीवनशैली को काफ़ी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर कंटेंट काफ़ी तेज़ी से बढ़ रहा है और हर पल नई दिशाओं में बदल भी रहा है। इससे लोगों के जीवन में जिस तरह के बदलाव आ रहे हैं, उनसे ज्ञान कम और समस्याएं अधिक पैदा हो रही हैं। आप पूछ सकते हैं कि कंटेंट से तो इंसान सीखता ही है, मुश्किलें क्या है? मुश्किल हैं, देखिए कैसी और क्या- कुछ प्रभाव भले लग रहे हैं, लेकिन...

ज्ञान का प्रसार तेज़ है

सोशल मीडिया के आज कई तरह के प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं जो विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान करते हैं। इससे लोगों के ज्ञान और सूचना की उपलब्धता में काफ़ी वृद्धि हुई है। विभिन्न प्रकार के विशेषज्ञों से कई तरह के विषयों की जानकारियां भी मिल रही है। लेकिन इन ज़रियों से ग़लत जानकारियां फैलाना भी उतना आसान है। जो सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं, उनसे मिलती सूचनाएं तो ज्ञान हैं, लेकिन कई अनजाने स्रोत भी हैं, जिनकी प्रामाणिकता संदिग्ध है। इन प्लेटफॉर्म्स पर अफवाहें और ग़लतफ़हमियां ही नहीं, नफ़रतें भी तेज़ी से फैल रही हैं।

संपर्क में परिवर्तन

आजकल कंटेंट से लोगों के जीवन में सामाजिक, मानसिक और आर्थिक तौर पर कई प्रकार के बदलाव हो रहे हैं। विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया माध्यमों से सामाजिक संपर्कों को एक नई दिशा मिली है। भौगोलिक दूरी की बाधाओं को कम करने के लिए लोग ऑनलाइन दोस्ती या रिश्ते बनाए रखते हैं जिससे उनका संपर्क बना रहता है। लेकिन ऑनलाइन संपर्क इतना ज़्यादा बढ़ गया है कि अब लोग व्यक्तिगत संपर्क में कम आ रहे हैं।

जीवनशैली में बदलाव

फिटनेस वीडियो, हेल्थ ब्लॉग्स, कुकिंग वीडियो और लाइफ हैक्स जैसे विभिन्न प्रकार के कंटेंट लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं और उन्हें अच्छी आदतें और नियमित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ़ फास्ट एवं प्रोसेस्ड फ़ूड पर आधारित कंटेंट का प्रचलन भी काफ़ी बढ़ा है, जिससे कुछ लोगों में अस्वास्थ्यकर आदतें भी बढ़ रही हैं।

व्यवसायों की बढ़ती पहुंच

विभिन्न प्रकार के व्यवसायों और मार्केटिंग रणनीतियों के लिए भी सोशल मीडिया अच्छे माध्यम के रूप में उभरकर आया है। कंपनियां अब अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रचार कंटेंट के माध्यम से लोगों के सामने कर रही हैं जिससे दूर बैठे ग्राहकों के साथ संपर्क बढ़ रहा है। लेकिन, सावधान न रहे तो लुभावने विज्ञापनों में फंसाकर धोखाधड़ी भी हो रही है।

सोच-समझकर करें इस्तेमाल

आपका अवचेतन मन एक सीसीटीवी सिस्टम की तरह है। यह हर दिन 24 घंटे, हफ्ते में 7 दिन, साल के 365 दिन चालू रहता है, और जो कुछ भी आप देखते व उससे सीखते हैं, उसे मॉनिटर और रिकॉर्ड करता है। उसका प्रभाव दिनभर आपके दिमाग़ में रहता है और दिमाग़ उसी के बारे में सोचता रहता है। इसलिए...

आत्म-नियंत्रण रखें- सोशल मीडिया खोलने से पहले, एक पल के लिए ठहरें और सोचें कि आप इसे क्यों इस्तेमाल करना चाहते हैं और इस अनुभव से क्या अपेक्षाएं हैं। चाहे प्रेरणा प्राप्त करनी हो या हंसना हो, एक उद्देश्य रखने से इसका उपयोग जागरुक रहकर करने में मदद मिलेगी।

जो देखेंगे वही दिखेगा- सोशल मीडिया पर आप जो भी खोजते हैं या किसी विषय पर एक-दो वीडियो देख लेते हैं, तो आपको उससे जुड़े कंटेंट ही नज़र आएंगे। इसलिए सोच-समझकर कंटेंट देखें। सोशल मीडिया पर सेंसिटिव कंटेंट कंट्रोल फीचर से भी सामग्री को नियंत्रित कर सकते हैं।

सक्रिय संलग्नता का अभ्यास करें- कोई नकारात्मक या नफ़रत भरा कमेंट करता है, तो उसे पलटकर जवाब देने में समय बर्बाद न करें। इसके बजाय, सोशल मीडिया के साथ सावधानीपूर्वक जुड़ने की कोशिश करें। सोचे-समझे कमेंट छोड़ें, सवाल पूछें और महत्वपूर्ण बातचीत में हिस्सा लें।

नकारात्मक प्रभावों का पलड़ा भारी हो रहा

अति में सोशल मीडिया का इस्तेमाल और बिना सोचे-समझे उस पर मौजूद सूचनाओं पर विश्वास कर उन्हें आगे बढ़ा देना या उनका ख़ुद अनुसरण करने लगना भी सामान्य होता जा रहा है।

मानसिक सेहत पर असर

तमाम तरह के सोशल मीडिया एक्सपोज़र से लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ रहा है। आजकल ज़्यादातर सोशल मीडिया पर प्रतिस्पर्द्धात्मक सामग्री डाली जा रही है जिससे लोग अक्सर दूसरों की जीवनशैली और सफलता से अपनी तुलना कर रहे हैं। इससे मानसिक तनाव और आत्महीनता, कुंठा में कमी तेज़ी से बढ़ रही है।

ट्रेंडिंग का ज़हर

ट्रेंडिंग टॉपिक को फॉलो करने के चक्कर में और उनमें कुछ नया करने को लेकर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहा है। इस प्रकार की कई घटनाएं सामने आई हैं, जब रील बनाते समय लोग दुर्घटना के शिकार हुए हैं।

स्वयंभू चिकित्सक

सोशल मीडिया पर लोग स्वयं ही बीमारियों को डायग्नोज़ करने लगते हैं। वे जब डॉक्टर के पास जाते हैं तब उन्हें ख़ुद ही बताने लगते हैं कि मुझे डिप्रेशन हो गया है, मुझे एंग्ज़ायटी हो गई है, ओसीडी हो गया है या फिर मैं बहुत टॉक्सिक रिलेशनशिप में हूं। दरअसल, वे अपनी बीमारियों को लेकर इंटरनेट पर सर्च करते हैं और सामग्री की विश्वसनीयता की पड़ताल किए बग़ैर सच मान लेते हैं। सोशल मीडिया पर रोगों को लेकर अधकचरी सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहता है।

भाषा अभद्र हो चली है

सोशल मीडिया पर लोग बदतमीज़ी करने लगते हैं, जैसे- किसी ने कुछ डाला तो लूज़र लिख दिया, किसी ने तस्वीर डाली तो कह दिया, रंग और रूप को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां भी होने लगती हैं। गाली-गलौज तो आम-सी बात है।

टूथब्रश से भी बीमार पड़ सकते हैं आप, जान लीजिए कैसे रख सकते हैं इसे साफ

आपका टूथब्रथ भी आपको बीमार बना सकता है। दरअसल, जिस टूथब्रश से हम अपने दांतों को साफ करते हैं। जब उसका इस्तेमाल कई-कई महीनों तक करते हैं तो वह नुकसानदायक बन जाता है। इस टूथब्रश पर 1।2 मिलियन से ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि, करीब 70 प्रतिशत टूथब्रश पर ये बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो सेहत को नुकसान और बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा पैदा कर सकते हैं, इसलिए टूथब्रश को ठीक से स्टोर और उसकी साफ-सफाई सही तरीके से करनी चाहिए।

एक रिसर्च के मुताबिक, टूथब्रश में एस्चेरिचिया कोली अर्थात ई।कोली बैक्टीरिया हो सकते हैं, जिससे उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे स्टेफिलोकोसी बैक्टीरिया का जोखिम भी हो सकता है, जो स्किन इंफेक्शन का कारण बन सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, टूथब्रश को हर तीन महीने में बदल लेना चाहिए। इतने समय में उसके ब्रिसल्स खराब या उसके आकार में बदलाव आ सकते हैं। इसी समय बैक्टीरिया (क्चड्डष्ह्लद्दह्म्द्बड्ड) टूथब्रश के ब्रिसल्स में आ सकते हैं। अगर आप किसी बीमारी से ठीक हुए हैं तो तुरंत अपना ब्रथ बदल लेना चाहिए।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि जाइंट फैमिली में जब ज्यादा लोग एक ही बाथरूम यूज करते हैं तो कुछ लोग अक्सर फ्लश का ढक्कन बंद किए बिना ही फ्लश चला देते हैं। ऐसे में फ्लश के गंदे पानी की बूंदें बाथरूम में मौजूद हवा में घुल जाती हैं। इन बूंदों में मौजूद बैक्टीरिया बाथरूम में मौजूद टूथब्रश को संक्रमित कर सकती हैं। जिससे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

टूथब्रश को बैक्टीरिया से कैसे बचाएं

हर तीन महीने में टूथब्रथ बदल लें।

ब्रश करने से पहले और बाद में हाथों को अच्छी तरह धोएं।

ब्रिसल्स खराब होने के बाद टूथब्रथ का इस्तेमाल न करें।

ब्रश को शौचालय से दूर रखें।

टूथब्रश को बेड-सोफे पर न रखें।

अपने ब्रश को किसी और के टूथब्रश के साथ न रखें।

ट्रैवल के दौरान ब्रश कवर करके ही रखें।

परिवार में कोई बीमार है तो उसका टूथब्रथ अलग रखें।

टूथब्रश को कैसे साफ करें

टूथब्रश को नियमित साफ करना चाहिए, क्योंकि उसके ब्रिसल्स में गंदगी छिपी रहती है।

टूथब्रश को इस्तेमाल करने से पहले और बाद में नॉर्मल या गुनगुने पानी से अच्छी तरह धोएं।

टूथब्रश से बैक्टीरिया का सफाया करने के लिए एल्कोहल युक्त माउथवॉश या सिरका से साफ कर सकते हैं।

रोड पर अगर कोई चोटिल पशु दिखे तो उसे अनदेखा ना करें, इन उपायों के जरिए उसकी मदद करें

नित ही कई पशु सड़क दुर्घटना में ज़ख्मी हो जाते हैं। लेकिन उनकी मदद और इलाज करने वाला कोई नहीं होता। इन मूक प्राणियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी हर व्यक्ति ही है। अगर आप किसी ज़ख्मी पशु को देखते हैं, आपकी गाड़ी से टकराकर चोटिल हो जाते हैं या कोई उनके साथ दुर्व्यवहार करता है, तो नज़रअंदाज़ नहीं करें, उनकी मदद करें।

शिकायत दर्ज कराएं

आप किसी भी नज़दीकी पुलिस स्टेशन में जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत कार्रवाई करना पुलिस की ज़म्मिेदारी है।

हेल्पलाइन पर कॉल करें

पशु क्रूरता से संबंधित शिकायत करने के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) की हेल्पलाइन 1962 पर कॉल कर सकते हैं।

सबूत ज़रूर साथ रखें

अगर संभव हो तो घटना का वीडियो या फोटो लें, जो आपकी शिकायत को मज़बूती दे सकता है।

आपकी गाड़ी से पशु टकरा जाए तब...

अगर सड़क पर कोई पशु आपकी गाड़ी से टकरा जाता है और उसे चोट लग जाती है तो घटनास्थल से भागे नहीं। ऐसा करना गैरक़ानूनी है और इसके लिए सज़ा भी हो सकती है। गाड़ी को सुरक्षित जगह पर रोकें। देखें कि पशु की स्थिति कैसी है, वह कितना घायल है। अगर संभव हो तो पशु को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। ध्यान रखें कि चोटिल पशु डर और दर्द में हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतें। नज़दीकी वेटरनरी क्लिनिक से संपर्क करें। आप पशु कल्याण हेल्पलाइन पर कॉल करके भी मदद मांग सकते हैं। अगर पशु गंभीर रूप से घायल हो गया है या उसकी मौत हो गई है, तो पुलिस को सूचित करना ज़रूरी है।

गर ज़ख्मी पशु मिले तब...

अगर आपको सड़क पर कोई ज़ख्मी पशु मिलता है, तो सबसे पहले उसकी स्थिति का आकलन करें। क्या वह चल पा रहा है? क्या उसका ख़ून बह रहा है? पशु की स्थिति गंभीर है, तो उसे चिकित्सक के पास ले जाएं। अगर आप ख़ुद नहीं ले जा सकते, तो पशु एम्बुलेंस सेवा को बुलाएं। यहां भी पशु कल्याण संगठन आपकी मदद कर सकते हैं। अगर आप पशु को क्लिनिक तक पहुंचाने से पहले कुछ कर सकते हैं, तो उसे प्राथमिक उपचार दें, जैसे- ख़ून बहने पर पट्टी बांधें या उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। पशु की हालत स्थिर है, तो उसे पानी पिलाएं और अगर संभव हो, तो कुछ खिला भी दें।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

पेटा इंडिया- 9971755566 पीपल फॉर एनिमल- 9880096581

होम लोन ले रहे हैं तो ये जानकारी ज़रूर प्राप्त कर लें, बच जाएगा आपका काफ़ी पैसा

जब आप होम लोन लेते हैं, तो उसमें कुछ छिपे शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं। इनके बारे में जानना बहुत ज़रूरी है ताकि आप अतिरिक्त शुल्क देने से बच सकें।

जब हम घर ख़रीदने जाते हैं, तो अच्छी तरह से छानबीन करते हैं, सारी जानकारी इकट्ठा करते हैं ताकि मकान के चुनाव में कोई ग़लती न हो। लेकिन जब होम लोन लेने की बात आती है, तो हम उतना ध्यान नहीं देते। हम अक्सर बैंक से होम लोन लेते समय सिर्फ़ ब्याज दर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लेकिन सिर्फ़ ब्याज दरें कम होने के आधार पर लोन चुनना एक बड़ी ग़लती हो सकती है। होम लोन के साथ कई छिपे हुए शुल्क होते हैं, जो कुल मिलाकर क़र्ज़ की लागत को बहुत बढ़ा सकते हैं।

प्रोसेसिंग शुल्क

यह वह फीस वह होती है जो बैंक आपके लोन आवेदन की प्रक्रिया के लिए लेता है। यह नॉन-रिफंडेबल होती है और लोन की रकम का 0.5 फ़ीसदी से 2 फ़ीसदी तक हो सकती है। सुझाव... आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है, तो आप इस फीस को कम करवाने या माफ़ करवाने की कोशिश कर सकते हैं।

प्रीपेमेंट या फोरक्लोज़र शुल्क

अगर आप तय समय से पहले लोन चुकाने का फ़ैसला करते हैं (आंशिक रूप से या पूरी तरह से), तो कुछ बैंक पूर्व भुगतान (प्रीपेमेंट) या फोरक्लोज़र शुल्क लगाते हैं, ख़ासकर निश्चित ब्याज दर वाले लोन पर। सुझाव... ऋण समझौता करने से पहले पूर्व भुगतान पॉलिसी ज़रूर जांच लें। कई बैंक फ्लोटिंग दर ऋण (जो ब्याज दर बाज़ार या किसी इंडेक्स के साथ बढ़ती या घटती है) पर कोई पूर्व भुगतान नहीं लेते।

प्रशासनिक शुल्क

कुछ बैंक प्रोसेसिंग फीस के अलावा प्रबंधन के लिए अलग से शुल्क लेते हैं, जैसे कि दस्तावेज़ीकरण और अन्य काग़ज़ी कार्यवाही। सुझाव... लोन लेने से पहले बैंक से पूछें कि क्या कोई अतिरिक्त ख़र्च है और क्या इसे कम किया जा सकता है।

क़ानूनी और तकनीकी शुल्क

संपत्ति के दस्तावेज़ों की क़ानूनी जांच और उनके मूल्यांकन के लिए बैंक यह फीस लेता है। ये शुल्क संपत्ति और उसकी जगह के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। सुझाव... इन शुल्क का विवरण बैंक से पहले ही ले लें।

स्टाम्प ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन शुल्क

ये सरकारी शुल्क होते हैं जो संपत्ति के क़ानूनी रूप से स्थानांतरण के लिए चुकाने पड़ते हैं। ये बैंक की फीस नहीं हैं, लेकिन कुल लागत में एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। सुझाव... ये शुल्क राज्य के अनुसार अलग-अलग होते हैं, इसलिए अपनी जगह के हिसाब से जानकारी लें।

देर से भुगतान करने पर शुल्क

अगर आप समय पर ईएमआई नहीं चुका पाते हैं या देर से चुकाते हैं, तो बैंक इस पर शुल्क लगाता है। यह शुल्क निश्चित राशि या देय राशि का कुछ प्रतिशत हो सकता है। सुझाव... इन जुर्मानों से बचने के लिए समय पर भुगतान करें।

बीमा प्रीमियम

कुछ बैंक होम इंश्योरेंस या ऋण सुरक्षा बीमा को लोन के साथ जोड़ देते हैं, जिससे आपकी ईएमआई बढ़ सकती है। सुझाव... बीमा अनिवार्य है या नहीं, यह सुनिश्चित करें और अगर हो सके तो अपना बीमा चुनने के विकल्प जांच लें ताकि आप उपयुक्त विकल्प चुन सकें।

फ्रैंकिंग शुल्क

ऋण समझौते पर स्टाम्प लगाने के लिए कुछ राज्यों में फ्रैंकिंग चार्जेज़ होते हैं। सुझाव... अपने बैंक से फ्रैंकिंग शुल्क के बारे में पूछें, क्योंकि ये स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं।

कनवर्ज़न शुल्क

ब्याज दर को फिक्स्ड से फ्लोटिंग में या फ्लोटिंग से फिक्स्ड में बदलना चाहते हैं, या मौजूदा लोन पर ब्याज दर कम करवाना चाहते हैं, तो बैंक इसके लिए परिवर्तन चार्ज ले सकता है। सुझाव... परिवर्तन की लागत और कम ब्याज दर से होने वाली बचत की तुलना करके फ़ैसला लें।

डॉक्यूमेंटेशन शुल्क

लोन के दस्तावेज़ों को तैयार करने, सत्यापित करने और सुरक्षित रखने के लिए यह शुल्क लिया जाता है। सुझाव... दस्तावेज़ों से संबंधित शुल्क की विस्तृत सूची बैंक से मांगें, ताकि बाद में इन्हें जानकर आपको आश्चर्य न हो।

भारत में बनेगा क्वांटम और 6जी टेक्नोलॉजी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 6जी और क्वांटम टेक्नोलॉजी में स्थिति मजबूत करने के लिए टेलीकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (टीसीओई) इंडिया और कर्नाटक की विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (वीटीयू) की ओर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) स्थापित करने के लिए करार किया गया है।

संचार मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, वीटीयू विश्वेश्वरैया रिसर्च और इनोवेशन फाउंडेशन (वीआरआईएफ) बेंगलुरु का उद्देश्य भारत की प्रगति को इन सेक्टरों में बढ़ाना है।

सीओई को हब एंड स्पोक मॉडल आधार पर डिजाइन किया जाएगा। टीसीओई इंडिया एक सेंट्रल हब के रूप में काम करेगा।

सरकार के मुताबिक, वीटीयू से जुड़े 228 कॉलेज के बौद्धिक और ढांचागत क्षमता का फायदे उठाते हुए सीओई रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए एक मुख्य सुविधा के तौर पर कार्य करेगी।

सीओई के जरिए क्वांटम और 5जी एवं 6जी टेक्नोलॉजी में कटिंग एज रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही साझेदारी और इनोवेशन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

सीओई में टेलीकॉम स्टैंडर्डाइजेशन को लेकर काम कर रही मुख्य संस्थाएं जैसे टेलीकॉम इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी), भारत 6जी एलायंस, टीसीडीएसआई, एकेडमिक नेटवर्क और स्टार्टअप इकोसिस्टम में साझेदारी को बढ़ाया जाएगा।

इससे 4 लाख से ज्यादा छात्रों और 2,000 से ज्यादा पीएचडी और वीटीयू नेटवर्क में रिसर्च कर रहे रिसचर्स को मदद मिलेगी। साथ ही इनोवेशन के कमर्शियलाइजेशन में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन में मिशन गवर्निंग बोर्ड के चेयरमैन अजय चौधरी ने कहा कि देश में 600 वैज्ञानिक और 50 स्टार्टअप क्वांटम टेक्नोलॉजी में काम कर रहे हैं।

भारत की ओर से अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय क्वांटम मिशन लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य क्वांटम से जुड़े विज्ञान और टेक्नोलॉजी में क्षमताएं विकसित करना

सात समंदर पार बसे वो देश जिन्हें खबर भी न लगी और इजराइल ने उनके नाम पर हिजबुल्लाह को बुखार चढ़ा दिया

लेबनान, एजेंसी। इजराइल ने हिजबुल्लाह के कम्युनिकेशन सिस्टम में घुसकर तबाही मचा दी है। मंगलवार और बुधवार को हजारों पेजर्स और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए, इनमें करीब 37 लोगों की मौत हो गई वहीं 3 हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए। माना जा रहा है कि मरने वालों और घायलों में ज्यादातर हिजबुल्लाह के लड़ाके शामिल हैं।

इस पूरे मामले में सबसे हैरान वाली बात ये है कि जिन देशों से हिजबुल्लाह ने पेजर्स और वॉकी-टॉकी खरीदे थे, उन्हें भी इजराइल के इस प्लान की भनक तक नहीं लगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक जिन पेजर्स में धमाके हुए उन पर ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी का नाम था तो वहीं वॉकी-टॉकी जापान की आइकॉम निर्मित थे।

लेकिन इन दोनों ही देशों की कंपनियों की ओर से जो बयान सामने आए हैं वो दिखाते हैं कि इजराइल ने इस प्लान को कितनी चतुरता से एक्जीक्यूट किया है। एक ओर ताइवान की कंपनी ने गेंद हंगरी की BAC के पाले में डाल दिया है तो वहीं दूसरी ओर जापान की कंपनी का कहना है कि उसने इन पेजर्स का निर्माण करना एक दशक पहले ही बंद कर दिया था।

विस्फोटक पेजर्स से अनजान थी ताइवान की कंपनी

ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी के फाउंडर और प्रेसीडेंट से गुरुवार को पेजर ब्लास्ट को लेकर पूछताछ हुई। कंपनी के प्रेसीडेंट शू चिंग क्वांग का कहना है कि जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण उनकी कंपनी ने नहीं बल्कि हंगरी के बुडापेस्ट की कंपनी BAC ने किया है, जिसके पास गोल्ड अपोलो के नाम का इस्तेमाल करने का लाइसेंस है। शू के अलावा अपोलो सिस्टम लिमिटेड नामक कंपनी की एक कर्मचारी टेरेसा वु भी जांच में शामिल हुईं। जिनके बारे में कुछ दिनों पहले गोल्ड अपोलो कंपनी के फाउंडर ने बताया था कि BAC की ओर से डील में टेरेसा ही उनके संपर्क में थी।

ताइवान सरकार लेबनान में हुए पेजर धमाकों की जांच कर रही है, क्योंकि यह अब तक साफ नहीं हो पाया है कि आखिर लेबनान में जो पेजर पहुंचे उनमें विस्फोटक कब, कहां, कैसे और किसने लगाए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने जब ताइवान सरकार के जांच अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं दिया गया। वहीं ताइवान सरकार ने अब तक अपनी जांच को लेकर भी कोई बयान जारी नहीं किया है।

वॉकी-टॉकी निर्माता कंपनी का बड़ा खुलासा

इस मामले में ताइवान जैसा ही हाल जापान का है। लेबनान में जिन वॉकी-टॉकी में धमाके हुए उनमें जापानी कंपनी आइकॉम का नाम प्रिंट था। ये वॉकी-टॉकी IC-V82 मॉडल के थे, लेकिन यहां भी गौर करने वाली बात ये हैं कि जापान की कंपनी आइकॉम ने कहा है कि उसने इनका निर्माण करीब एक दशक पहले ही बंद कर दिया था। कंपनी का कहना है कि वह इस मामले की जांच कर रही है। टेलीकम्युनिकेशन निर्माता कंपनी आइकॉम का कहना है कि मिडिल ईस्ट समेत दुनियाभर के बाजारों में उसने इस मॉडल के वॉकी-टॉकी साल 2004 से लेकर अक्टूबर 2014 तक ही भेजे हैं। आइकॉम ने कहा कि उसने करीब एक दशक से अपने वाकायामा प्लांट से एक भी IC-V82 मॉडल के वॉकी-टॉकी कहीं नहीं भेजा है। लेकिन कंपनी का कहना है कि उसने लंबे समय से मार्केट में नकली IC-V82 मॉडल के ट्रांसीवर्स के बारे में अलर्ट किया था। आइकॉम के मुताबिक उसने इन नकली निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की थी और साल 2020 से ही वह नकली मॉडल के ट्रांसीवर्स के बारे में चेतावनी दे रहा था। आइकॉम के मुताबिक इसके कई इलेक्ट्रॉनिक गियर पब्लिक सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन और US डिफेंस और मरीन कॉर्प विभाग को सप्लाई किए हैं। उधर जापान के चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी योशिमाशा हयाशी का कहना है कि जापान की सरकार इस मामले की जांच कर रही है।

कुर्स्क में जंग जारी, रूस का दावा– अब तक मारे गए 15,300 यूक्रेनी सैनिक

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को ढाई साल से अधिक हो गए हैं. यूक्रेन की सेना ने रूस की पश्चिमी सीमा में घुसपैठ कर कुर्स्क प्रांत के करीब एक हजार किलोमीटर क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया है. खबरों के मुताबिक, यूक्रेन के सैनिकों को खदेड़ने के लिए रूसी सेना ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है. रूस के रक्षा मंत्री का दावा है कि पिछले 24 घंटे में 370 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं. इस प्रकार कुर्स्क में अब तक 15,300 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं. रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यूक्रेन की सेना ने कुर्स्क इलाके में तीन जगहों से घुसने की कोशिश की थी, जिसके बाद रूसी सेना ने अपनी जवाबी कार्रवाई तेज कर दी थी। रूसी सेना के अनुसार, यूक्रेन की सेना को कुर्स्क में नाटो की रसद नहीं पहुंच पा रही थी। दूसरी तरफ, रूस यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर अपनी बढ़त को लगातार बढ़ा रहा है और खारकीव से जुड़े कस्बों को एक के बाद एक सीज कर रहा है।

कुर्स्क में रूसी सेना चला रही ऑपरेशन

बता दें, रूस यूक्रेन के हमलों के बाद और आक्रामक हो गया है। रूस यूक्रेन के शहरों में लगातार हमला कर रहा है। खबरों के मुताबिक, रूसी सेना ने कुर्स्क में अब तक 8,500 यूक्रेनी सैनिक मार गिराए हैं और वे लगातार कुर्स्क को आज़ाद कराने में जुटी है। यूक्रेन लगातार रूस पर ड्रोन से हमला कर रहा है, लेकिन ज्यादातर ड्रोन हमलों को रूस ने एयर डिफेंस से नाकाम कर दिया है। हालांकि, कुछ ड्रोन मास्को ऑयल रिफाइनरी और कोनाकोवो पावर स्टेशन पर गिरे हैं, जिसके बाद वहां आग लगने की कई खबरें सामने आई हैं।

खैबर–पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमला, 6 सुरक्षाबलों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला हुआ है, अफगानिस्तान की सीमा से सटे पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में हुए आतंकी हमले में 6 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई है। इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है। पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक आतंकवादियों के एक समूह ने दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के मिश्ता गांव में एक जांच चौकी पर हमला किया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक क्षेत्र में आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ये हमला उसी कार्रवाई की के खिलाफ माना जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक देर रात आतंकवादियों ने सुरक्षा चौकी पर हमला किया जिसमें छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। वहीं दक्षिणी वजीरिस्तान जिले में हुई एक मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले के अजाम वरसाक इलाके में शुक्रवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ हुई जिसमें 7 आतंकवादी मारे गए जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में टीटीपी सक्रिय है और लगातार पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं पाकिस्तान सरकार का आरोप है कि अफगान प्रशासन इन्हें पनाह देता है। हालांकि तालिबान इन आरोपों को खारिज करता रहा है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफगानिस्तान में जब से तालिबान की वापसी हुई है, तब से इस क्षेत्र में आतंकी हमले और तनाव बढ़ा है। 3 साल पहले साल 2021 में तालिबान की वापसी के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं।

लेबनान को लेकर ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने की आपातकालीन बैठक, हालिया हालात पर हुई चर्चा

लेबनान, एजेंसी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने शुक्रवार को सरकार की आपातकालीन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। COBR समिति नामक इस बैठक में लेबनान के हालिया हालात पर चर्चा की गई। लेबनान पिछले चार दिनों से लगातार इजराइली बमबारी की चपेट में है। पिछले कुछ दिनों में पेजर और रेडियो विस्फोटों से दहल चुका लेबनान इजराइल के हवाई हमलों से भी जूझ रहा है।

वहीं, ब्रिटेन ने लेबनान के मौजूदा हालात को लेकर COBR समिति की बैठक बुलाई है। विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'विदेश सचिव ने आज सुबह लेबनान के ताजा हालात पर COBR बैठक की अध्यक्षता की। और हालात के बिगड़ने के उच्च

जोखिम के बीच चल रहे तैयारी कार्य पर चर्चा की।'

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि उन्होंने लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती से बात की है। उन्होंने लेबनान में बढ़ते तनाव और नागरिकों की मौतों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा, 'हमने ब्लू लाइन पर स्थिरता और सुरक्षा बहाल करने के लिए बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता पर चर्चा की।'

हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर इजराइल का हवाई हमला

इजराइल ने गुरुवार को लेबनान में हवाई हमला किया। हाल ही में पेजर और रेडियो विस्फोट की घटनाओं के बाद लेबनान के लिए यह बड़ा हमला था। लेबनान ने दावा किया कि इजराइल की वायुसेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं, यह हमला नसरल्लाह की इजराइल को दंडित करने की धमकी के बाद किया गया। लेबनान अपने देश में पेजर और रेडियो विस्फोटों के लिए इजराइल को जिम्मेदार मान रहा है। इसी क्रम में हिजबुल्लाह की ओर से इजरायली इलाकों में कई रॉकेट दागे गए। हालांकि इजराइल ने कहा कि उसने ज्यादातर हमलों को बेअसर कर दिया। वहीं, इसके जवाब में इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर एक साथ हवाई हमले किए।

हिजबुल्लाह के हमले में इजराइल के दो जवानों की मौत

हिजबुल्लाह की ओर से भी कई रॉकेट दागे गए। इनका निशाना इजरायल था। हालांकि, ज्यादातर हमलों को इजरायल ने बेअसर कर दिया। इसके बाद हिजबुल्लाह को जवाब देने की तैयारी शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में लेबनान के आसमान पर इजरायली लड़ाकू विमानों ने कब्जा कर लिया। बताया जा रहा है कि इजरायली वायुसेना ने एक साथ दक्षिण लेबनान के कई शहरों पर बमबारी की।

इजराइली सेना के हमले में लेबनान के 30 मिसाइल लॉन्च पैड और हिजबुल्लाह के गोला-बारूद डिपो तबाह हो गए हैं। वहीं, खबर है कि उत्तरी इजराइल पर हिजबुल्लाह के मिसाइल और ड्रोन हमलों में दो सैनिक मारे गए हैं। हिजबुल्लाह के हमले में आईडीएफ मेजर नाएल फवार्सी और सार्जेंट टोमर केरेन के मारे जाने की खबर है। वहीं, कहा जा रहा है कि दोनों के बीच यह हमला अभी खत्म नहीं हुआ है। यह आगे भी जारी रह सकता है।

मणिपुर में हाई अलर्ट! म्यांमार से दाखिल हुए 900 ट्रेंड कुकी उग्रवादी, टारगेट पर मैतई गांव

इंफाल, एजेंसी। उत्तर पूर्वी भारत का राज्य मणिपुर पिछले साल भर से अधिक समय से हिंसा की आग में झुलस रहा है। इस बीच मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के ऑफिस से पुलिस को भेजे गए एक अलर्ट ने चिंता की लकीरें और बढ़ा दी है। इस खुफिया रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि म्यांमार से 900 से ज्यादा कुकी उग्रवादी मणिपुर में घुस आए हैं। इन उग्रवादियों का मकसद 28 सितंबर के आसपास इंफाल घाटी के मैतई बहुल गांवों पर हमले करना है। खुफिया रिपोर्ट में यह कहा गया कि इन सभी को हाल ही में ड्रोन, प्रोजेक्टाइल और मिसाइल दागने की ट्रेनिंग दी गई है।

सीएम ऑफिस की तरफ से 16 सितंबर को जारी अलर्ट में कहा गया है कि ये उग्रवादी 'कथित तौर पर 30-30 लोगों की टुकड़ियों में हैं। ये फिलहाल आसपास ही छिपे हुए हैं और गांवों पर सिलसिलेवार हमले की तैयारी कर रहे हैं। इस जानकारी के बाद से चूड़ाचांदपुर, टेंग्नौपाल, उखरुल, कामजोंग और फेरजावल जिले हाई अलर्ट पर हैं।

हाई अलर्ट पर मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स

बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने कहा कि 'जब तक यह खुफिया इनपुट गलत साबित नहीं हो जाता, हम मानते हैं कि यह 100% सही है और इसके लिए तैयार हैं'। सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स के जिले और सीमावर्ती इकाइयां अधिकतम अलर्ट पर हैं।

मणिपुर में 2023 के मध्य में जातीय संघर्ष भड़कने के बाद से डिप्यूट किए गए पूर्व सीआरपीएफ महानिदेशक ने कहा, 'अगर यह सच नहीं होता है, तो या तो यह हुआ ही नहीं या हमारी कोशिशों ने इसे होने नहीं दिया। किसी भी तरह से, आप इसे हल्के में नहीं ले सकते।' सिंह ने कहा कि उनका तलाशी अभियान हथियारों को जब्त करने पर केंद्रित है, लेकिन अब रॉकेट, मिसाइल, ड्रोन और बैटरी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों की तलाश की जा रही है।

सुरक्षा सलाहकार ने कहा, 'डीएम को सतर्क कर दिया गया है और लाइसेंस प्राप्त मालिकों के पास विस्फोटकों के स्टॉक की जांच करने के लिए कहा गया है। पहाड़ियों के 5 किमी के दायरे में सभी जुड़ी सड़कों और गांवों में भी स्टॉक की जांच की जा रही है।' उन्होंने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए 2,681 हथियारों में से एक तिहाई पहाड़ियों में और दो तिहाई घाटी में थे।

'महाराष्ट्र में डरपोक सरकार', संजय राउत का बयान, पीएम मोदी एक राष्ट्र-एक चुनाव की बात करते हैं

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव को दूसरी बार स्थगित करने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राउत ने हाल ही में कैबिनेट द्वारा पारित एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव, मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं थी तो वह ऐसे विधेयक की बात कैसे कर सकती थी। राउत ने साफ तौर पर कहा कि महाराष्ट्र में डरपोक सरकार है।

महाराष्ट्र सरकार पर वार करते हुए संजय राउत ने कहा कि न्होंने मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव को दो बार स्थगित कर दिया है। जब उन्हें जानकारी मिली कि शिवसेना (यूबीटी) चुनाव जीतेगी, तो सरकार डर गई और मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव स्थगित कर दिया। उनमें चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी एक देश एक चुनाव की बात करते हैं लेकिन बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव, मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनाव नहीं हो रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे केवल वहीं चुनाव लड़ते हैं जहां वे पैसे से वोट खरीद सकें।

महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि सहयोगी कांग्रेस को समझना चाहिए कि लोकसभा चुनाव में उसके संख्याबल में हुई वृद्धि में उनकी पार्टी का योगदान है। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता अगर मानते हैं कि वे गठबंधन में बड़े भाई हैं तो उनके लिए यह सही नहीं है कि वे हमारी पार्टी की भूमिका को भूल जाएं।

हिमाचल के बाद मुंबई के धारावी में अवैध मस्जिद को तोड़ने आया बुलडोजर, भड़की मुस्लिम भीड़, बवाल शुरू

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के धारावी इलाके में 90 फीट रोड पर बनी सुभानी मस्जिद को अनाधिकृत बताते हुए बीएमसी की टीम इसे गिराने पहुंची है। मुस्लिम समुदाय के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। बड़ी संख्या में बीएमसी के खिलाफ लोग एकट्ठा होकर नारेबाजी कर रहे हैं। एक चिट्ठी भी सामने आई है जिसमें लिखा गया है कि मस्जिद के ध्वस्तीकरण के लिए बीएमसी की टीम पुलिस प्रोटेक्शन के साथ 21 सितंबर यानी आज के दिन सुबह नौ बजे आने वाली है। इसलिए आप सभी लोगों से गुजारिश है कि मस्जिद के हिफाजत के लिए ज्यादा से ज्यादा तादाद में जमा हो। जिसके बाद धारावी में बीएमसी के एक्शन से पहले बड़ी संख्या में भीड़ जुटाई गई। बड़ी संख्या में पुलिस बल को भी धारावी की रोड पर तैनात किया गया।

बृहन्मुंबई नगर निगम की टीम मस्जिद के अवैध हिस्से को ध्वस्त करने के लिए एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती वाले क्षेत्र में पहुंची है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए घनी आबादी वाले इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जी-नॉर्थ प्रशासनिक वार्ड से बीएमसी अधिकारियों की एक टीम सुबह करीब 9 बजे धारावी में 90 फीट रोड पर महबूब-ए-सुभानी मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को ध्वस्त करने पहुंची। जल्द ही, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौके पर जमा हो गए और उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को उस गली में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां मस्जिद स्थित है।

बीएमसी की कार्रवाई के विरोध में सैकड़ों लोग वहां स्थित धारावी पुलिस स्टेशन के बाहर भी जमा हो गए और सड़क पर बैठ गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मस्जिद का एक प्रतिनिधिमंडल, बीएमसी अधिकारी और धारावी पुलिस फिलहाल मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इस बीच, सांसद वर्षा गायकवाड़ ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और इस मुद्दे पर चर्चा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री शिंदे से धारावी के महबूब - ए - सुबानिया मस्जिद को आई बीएमसी की डिमोलिशन की नोटिस को लेकर मुलाकात की और लोगों की भावनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री से सकारात्मक बातचीत हुई। उन्होंने कहा की वे संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और आश्वासन दिया की तोड़क कार्यवाही पर रोक लगा दी जायेगी।

कंगुवा की नई रिलीज डेट का एलान, 14 नवंबर को पर्दे पर दस्तक देगी सूर्या और बॉबी देओल की फिल्म

स्टूडियो ग्रीन ने सूर्या और बॉबी देओल की फिल्म कंगुवा का रोमांचक पोस्टर जारी किया है, जिसमें रिलीज डेट की घोषणा की गई है। कंगुवा के निर्माताओं ने दर्शकों को एक बेहतरीन ट्रेलर दिखाया है, जिसने लोगों के बीच उत्साह जगा दिया है, जिससे फैंस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर में दिखाए गए तीव्र दृश्य, एक्टर का शानदार प्रदर्शन और मंत्रमुग्ध कर देने वाले म्यूजिक ने पहले से ही चर्चा का माहौल बना दिया है। अब रिलीज डेट भी सामने आ गई है, ऐसे फैंस का जोश डबल हो गया है।

निर्देशक शिवा द्वारा निर्देशित कंगुवा इस साल की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म में से एक मानी जा रही है। इसका अनुमानित बजट 350 करोड़ रुपये से अधिक है, जो कि पुष्पा, सिंघम और कई अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स से भी अधिक है। फिल्म की शूटिंग सात विभिन्न देशों में की गई है और इसका सेट प्रागैतिहासिक काल में है। इसके लिए हॉलीवुड के विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है, खासकर एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के क्षेत्र में। फिल्म में एक विशाल युद्ध दृश्य भी शामिल है, जिसमें 10,000 से अधिक लोग नजर आएंगे। स्टूडियो ग्रीन ने इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर रिलीज करने के लिए प्रमुख वितरण कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 14 नवंबर 2024 को कंगुवा सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बता दें, शिवा ने इस अपकमिंग फिल्म का लेखन किया है। साल ही निर्देशन की कमान भी संभाली है। इस फिल्म में सूर्या, बॉबी देओल, जगपति बाबू और दिशा पटानी लीड रोल में हैं। फिल्म में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी वेट्री पलानीसामी ने की है। बता दें, फिल्म दो अलग-अलग समय, अतीत और वर्तमान की कहानी दिखाएगी। गोवा, यूरोप और श्रीलंका जैसी खूबसूरत रियल लोकेशन पर शूट का गई हैं। फिल्म की पूरी कहानी दो टाइमलाइन में चलती नजर आएगी। 1000 साल को एक साथ कवर किया गया है।

श्वेता तिवारी ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर मचाया बवाल चेहरे पर क्यूट सी स्माइल ने फैंस के बीच लूटी लाइमलाइट

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर चलाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थी। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

श्वेता तिवारी बढ़ती हुई उम्र में और भी ज्यादा खूबसूरत होती जा रही हैं। उम्र के साथ उनकी हॉटनेस भी बढ़ती जा रही है। बता दें कि एक्ट्रेस किसी भी आउटफिट में अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस उन पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जितनी खूबसूरत पहले हुआ करती थी आज भी उतनी ही सुंदर है। वहीं, फिटनेस के मामले में भी उनका कोई जवाब नहीं है। श्वेता तिवारी 43 साल की हो गई हैं, लेकिन आज भी उनके चेहरे का नूर बिल्कुल पहले जैसा ही है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने फ्लोरल व्हाइट प्रिंट लुक में थाई स्लिट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

खुले बाल, नो मेकअप लुक और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने श्वेता तिवारी के इस लुक पर चार चांद लगा दिया है। उनका ये हॉट अवतरा इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लग गया है।

इंडियन हो या वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है।

स्त्री 2 ने 35वें दिन भी की करोड़ों में कमाई, हिंदी में शुरू करेगी 600 करोड़ का नया क्लब

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2' का बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमा हुआ है। रिलीज के एक महीने बाद भी इस हॉरर कॉमेडी का क्रेज दर्शकों के सिर से नहीं उतरा है जिसके चलते 'स्त्री 2' पांचवें हफ्ते में भी करोड़ों में कारोबार कर रही है। फिल्म ने अपनी लागत से कई गुना ज्यादा का कारोबार कर लिया और मेकर्स की तिजोरियां भी नोटों से भर गई हैं लेकिन इसकी कमाई नहीं थम रही है। चलिए यहां जानते हैं 'स्त्री 2' ने रिलीज के 35वें दिन यानी पांचवें बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?

ये 'स्त्री 2' क्या करके मानेगी? जी हां ये इसलिए कहना पड रहा है क्योंकि ये फिल्म हर दिन नया इतिहास रच रही है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन महाबंपर कलेक्शन किया था और इसके बाद तो इसने खूब नोट छापे। हालांकि अब पांचवे हफ्ते में फिल्म की कमाई में तो गिरावट आई है लेकिन ये अब भी करोड़ों में ही कलेक्शन कर रही है। 34वें दिन तो इस फिल्म ने शाहरुख खान जवान के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ दिया और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

वहीं 'स्त्री 2' के अब तक के कारोबार की बात करें तो ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में 307।80 करोड़ कमाए थे दूसरे हफ्ते में 'स्त्री 2' का कलेक्शन 145।80 करोड़ रहा, तीसरे हफ्ते में हॉरर कॉमेडी ने 72।83 करोड़ का कलेक्शन किया। चौथे हफ्ते में 'स्त्री 2' ने 37।75 करोड़ की कमाई की थी। वहीं पांचवें फ्राइडे 'स्त्री 2' ने 3.60 करोड़, पांचवें शनिवार 5.55 करोड़, पांचवें रविवार 6.85 करोड़, पांचवें सोमवार 3.17 करोड और पांचवें मंगलवार 2.65 करोड़ की कमाई की। इसके बाद 'स्त्री 2' की 34 दिनों की कुल कमाई 586.00 करोड़ रुपये हो गई।

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्त्री 2' ने रिलीज के 35वें दिन यानी पांचवें बुधवार को 2.00 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ 'स्त्री 2' की 35 दिनों की कुल कमाई अब 588।00 करोड़ रुपये हो गई है। 'स्त्री 2' ने साबित कर दिया है कि अगर कहानी में दम हो तो किसी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर गदां काटने से कोई नहीं रोक सकता है। 'स्त्री 2' ने भी यही कर दिखाया है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि ये पांचवें हफ्ते में भी करोड़ों में कलेक्शन कर रही है। अब तो ये एक और नया रिकॉर्ड अपने नाम करने की तैयारी कर रही है। दरअसल हिंदी की नंबर 1 फिल्म बनने के बाद अब ये 600 करोड़ का नया क्लब शुरू करने की ओर तेजी से बढ़ रही है। उम्मीद है कि फिल्म रिलीज के छठे वीकेंड पर ये मील का पत्थर भी पार कर लेगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com